समाचार एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।

पीतम सिंह यादव
9999164275

नई दिल्ली एवं गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित,लखनऊ,गाजियाबाद,मुजफ्फरनगर,मेरठ,हापुड़,बुलन्दशहर,बागपत,फरीदाबाद में एक साथ प्रसारित

दैनिक सांई मीडिया

विश्वास का प्रतीक

वर्ष : 16 अंक : 183 | गौतमबुद्धनगर संस्करण, बुधवार, 2 जुलाई 2025 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रूपये

हर जिले में बनाएंगे 100 बेडेड आयुष वेलनेस सेंटर : सीएम योगी

किसानों और नौजवानों को रोजगार उपलब्ध कराने में होगी आयुष विश्वविद्यालय की बड़ी भूमिका : सीएम योगी

प्रदेश के छह वंचित मंडल मुख्यालयों पर स्थापित करेंगे आयुष महाविद्यालय

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में बोले मुख्यमंत्री

सांई मीडिया ब्यूरो

गोरखपुर, 1 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश को पहले आयुष विश्वविद्यालय का उपहार देने के बाद सरकार जन आरोग्यता के लिए हर जिले में कम से कम 100 बेडेड का आयुष हेल्थ वेलनेस सेंटर बनाएगी। यहां पंचकर्म, क्षारसूत्र जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं को भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही सरकार ने प्रदेश के उन छह मंडलों में मंडल मुख्यालय स्तर पर एक-एक आयुष महाविद्यालय बनाने का निर्णय लिया है जो अब तक ऐसे महाविद्यालय की सुविधा से वंचित थे।

सीएम योगी मंगलवार को उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय (महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय) के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु और अति विशिष्ट अतिथि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार सम्पूर्ण आरोग्यता की दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं। 2014 के पूर्व भारत की आरोग्यता की प्राचीन पद्धतियों, सुविधाओं को वैश्विक मान्यता नहीं मिल पाई थी। 2014 में प्रधानमंत्री बनने पर नरेंद्र मोदी ने आयुर्वेद, योग, यूनानी, होम्योपैथ, नेचुरोपैथी, सिद्धा को मिलाकर आयुष मंत्रालय बनाया और परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को नया मंच दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय पीएम मोदी की प्रेरणा से सम्पूर्ण आरोग्यता के लिए बनाया गया उत्तर प्रदेश का पहला

आयुष विश्वविद्यालय है। लोकार्पण के साथ अब इस विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया भी आगे बढ़ेगी। लोगों को आयुर्वेद, होम्योपैथ, यूनानी, योग, नेचुरोपैथी, सिद्धा आदि विधाओं की चिकित्सा सेवा का लाभ मिलेगा। यह विश्वविद्यालय आयुष के क्षेत्र में रिसर्च एंड डेवलपमेंट के बड़े केंद्र के रूप में भी आगे बढ़ेगा।

सीएम योगी ने कहा कि किसानों और नौजवानों को बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराने में भी आयुष विश्वविद्यालय की बड़ी भूमिका होगी। इस विश्वविद्यालय के जरिये औषधीय पौधों की खेती रोजगार बढ़ाने में मददगार होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को हेल्थ टूरिज्म के नए रूप में आकर्षित करने में भी आयुष विश्वविद्यालय निर्णायक साबित होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आयुष विश्वविद्यालय हेल्थ टूरिज्म का नया डेस्टिनेशन बनेगा।

आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयुर्वेद और नाथपंथ के आपसी जुड़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में रस शास्त्र, धातु विज्ञान का आविष्कार नवनाथ तथा चौरासी सिद्धों की परंपरा से जुड़ता है और, इसे व्यवस्थित करने का श्रेय महायोगी गुरु गोरखनाथ को दिया जाता है।

भारतीय स्टेट बैंक के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर साइबर जागरूकता सत्र का हुआ आयोजन

एसीपी साइबर क्राइम विवेक रंजन राय ने साइबर क्राइम से बचाव हेतु सावधानियों की दी जानकारी

गौतम बुद्ध नगर 01 जुलाई 2025

भारतीय स्टेट बैंक के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक ब्रांच कलेक्ट्रेट ग्रेटर नोएडा द्वारा साइबर क्राइम को लेकर साइबर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर अधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, बैंक शाखा कलेक्ट्रेट ग्रेटर नोएडा की मुख्य प्रबंधक शिल्पा देशवाल तथा कलेक्ट्रेट की अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सत्र की शुरूआत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की उप शाखा प्रबंधक दिव्या महिंद्रा ने बैंक के गौरवशाली इतिहास के बारे में चर्चा की। साइबर जागरूकता सत्र के दौरान एसीपी साइबर क्राइम विवेक रंजन राय ने साइबर धोखाधड़ी में वृद्धि के विभिन्न कारणों, धोखाधड़ी करने वालों द्वारा अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली, धोखाधड़ी की घटनाओं को रोकने के लिए बढ़ानी जाने वाली सावधानियों और धोखाधड़ी होने पर की जाने वाली कार्रवाई पर विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने बताया कि आज के सत्र में साइबर क्राइम से बचने हेतु बताए गयी सावधानियों को ध्यान में रखते हुए अपने आप को साइबर क्राइम की घटनाओं से बचाया जा सकता है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे ने साइबर क्राइम विषय पर आधारित जागरूकता सत्र के आयोजन हेतु स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी एवं कर्मचारियों को बधाई दी और साइबर धोखाधड़ी को लेकर अपने अनुभव साझा किये कि किस प्रकार साइबर क्राइम जैसी घटनाओं से अपने आप को सुरक्षित रखा जा सकता है।

भारतीय स्टेट बैंक कलेक्ट्रेट कंपाउंड ग्रेटर नोएडा शाखा की मुख्य प्रबंधक शिल्पा देशवाल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित होने पर सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद समिति के सभापति बृजेश कुमार सिंह 'प्रिन्शू' की अध्यक्षता में गौतम बुद्ध नगर एवं गाजियाबाद जनपद की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

गौतम बुद्ध नगर 01 जुलाई, 2025

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विकास प्राधिकरण, आवास विकास परिषद, जिला पंचायतों, नगर निगमों में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने, जाँच किये जाने सम्बन्धी समिति के मा. सभापति बृजेश कुमार सिंह "प्रिन्शू" की अध्यक्षता में आज गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा के सभागार में गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के सदस्यगण डॉ जयपाल सिंह व्यस्त व गोविंद नारायण शुक्ला तथा विशेष सचिव/समिति अधिकारी संजय मेहरोत्रा, समिति अधिकारी अभिषेक कुमार पांडे, अपर निजी सचिव अंकुर यादव, वृत्त लेखक आशीष सिंह भी उपस्थित रहे। माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी द्वारा समिति के माननीय ने सभापति एवं सदस्य गणों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

बैठक में समिति द्वारा संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, विकास योजनाओं की प्रगति और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला पंचायत से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मा. सभापति ने राजस्व संग्रह बढ़ाने हेतु स्पष्ट कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने बजट एवं पंचम वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष व्यय की प्रगति, संसाधनों के विकास की कार्य योजना तथा भूमि की उपलब्धता की जानकारी भी प्राप्त की।

नगर पंचायतों की समीक्षा के दौरान मा. सभापति ने साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सफाईकर्मियों की मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी के साथ-साथ मौके पर भी की जाए। बरसात से पहले नालों की सफाई की प्रगति, फॉगिंग मशीनों की उपलब्धता व उनकी क्रियाशीलता की जानकारी ली गई। इसके साथ ही, नगर पंचायतों की राजस्व सृजन से जुड़ी कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

माननीय सभापति ने बैठक की समीक्षा के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारीगण जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को बड़ी ही प्रमुखता के साथ संचालित करते हुए जरूरतमंदों तक उनका लाभ पहुंचाने का काम करें एवं जनहित के जो भी प्रकरण लंबित चल रहे हैं, उनमें संवेदनशीलता दिखाते हुए शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण करना भी सुनिश्चित करें।

बैठक के समापन पर जिलाधिकारी गाजियाबाद एवं मुख्य विकास अधिकारी गौतम बुद्ध नगर विद्यानाथ शुक्ल ने समिति के सभापति, सदस्यों और आमंत्रित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए सभी सुझावों, मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए रिपोर्ट अग्रिम बैठक में समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जनपद गौतम बुद्ध नगर के मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत प्रियंका चतुर्वेदी, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, नगर पालिका एवं नगर पंचायत से अधिशासी अधिकारीगण तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं जनपद गाजियाबाद से जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल तथा अन्य संबंधित आधिकारिक उपस्थित रहे।

जनपद में जुलाई माह में चलेगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान

जिलाधिकारी ने आज विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का किया शुभारंभ

सांई मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर, 01 जुलाई 2025

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जनपद वासियों को संचारी रोगों से सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा संयुक्त जिला अस्पताल सैक्टर-39 नोएडा में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ करते हुए आम जनमानस को संचारी रोगों के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० नरेन्द्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डा०अजय राणा, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० जैश लाल, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० संजीव कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा उपस्थित रही।

जिला अधिकारी ने सभी अधिकारियो को विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान को लेकर शपथ दिलाते हुए कहा कि हम सभी संचारी रोगों को लेकर अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करेंगे और उनको बताएंगे कि हम किस प्रकार से अपना संचारी रोगों से बचाव कर सकते हैं और यदि कोई भी व्यक्ति हमें संचारी रोग से ग्रस्त मिलता है, तो तत्काल उसको जिला अस्पताल भेज कर उपचार करायेंगे। रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोएडा विकास प्राधिकरण के छिडकाव व फागिंग कर्मचारियों तथा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अधिकारियों एवं आंगनवाड़ियों तथा आशाओ ने प्रतिभाग किया। रैली संयुक्त जिला अस्पताल सैक्टर-39 नोएडा से प्रारम्भ होकर नोएडा सिटी सेन्टर से होते हुए सेक्टर-41 नोएडा पर समाप्त हुई। कर्मचारियो द्वारा नारे जैसे- जन जन ने ठाना है संचारी रोग भगाना है, लगाए गये।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह उत्तर प्रदेश शासन का बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और इस कार्यक्रम को माइक्रो प्लान तैयार करते हुए जनपद में सफल बनाया जाए ताकि जनपद वासियों को संचारी रोगों से सुरक्षित रखा जा सके। जनपद में लगातार प्राधिकरण, नगर पालिका एवं नगर पंचायतो के सहयोग से एन्टी लार्वा का छिडकाव एवं जनजागरूकता कराई जाए। जुलाई मे एक्यूट डायरिया डिजीजेज (दस्त रोग) के संचरण की संभावना है, इसलिए आवश्यक है कि आशा अपने साथ ओ०आर०एस० पैकेट तथा क्लोरिन की गोलिया भी रखे ताकि लक्षण युक्त व्यक्ति मिलने पर तत्काल उसे उपलब्ध कराये।

कंपोजिट विद्यालय गिझोड़ में "स्कूल चलो अभियान" के द्वितीय चरण का हुआ शुभारंभ

विद्यालयों में बच्चों के अधिक से अधिक नामांकन एवं उपस्थित पर दिया जाए विशेष ध्यान : डीएम

सांई मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर 01 जुलाई 2025

ग्रीष्मावकाश के उपरांत विद्यालय के प्रथम दिवस पर कम्पोजिट विद्यालय गिझोड़ में "स्कूल चलो अभियान" के द्वितीय चरण का जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं अन्य अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा बच्चों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर एवं पुस्तकें वितरित कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। उन्होंने बच्चों से संवाद स्थापित कर समर कैंप की जानकारी ली और कक्षाओं का निरीक्षण करते हुये छात्रों की शैक्षिक स्थिति का अवलोकन किया। छात्रों के शैक्षिक स्थिति, विद्यालय में छात्रों के नामांकन एवं उपस्थिति को देखकर जिलाधिकारी द्वारा विद्यार्थियों, विद्यालय प्रधानाध्यापक व विद्यालय स्टाफ के कार्यों की सराहना की गयी तथा अन्य विद्यालयों को इनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया तथा जनपद के अन्य समस्त विद्यालयों में छात्र नामांकन एवं छात्र उपस्थिति बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर जिले के प्रमुख शिक्षा अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें राहुल पंवार (जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी), चन्द्र भूषण प्रसाद (खंड शिक्षा अधिकारी, बिसरख), विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शशि बाला, एस.आर.जी. कंचन बाला, समस्त ए.आर.पी., विद्यालय का समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद के अन्य कंपोजिट विद्यालयों में भी जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ करते हुए विद्यालय में आने वाले बच्चों का टीका लगाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को मिली गर्मी से राहत, अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में अगले एक हफ्ते तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और मौसम सुहाना रहेगा, लेकिन ह्यूमिडिटी के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग के मुताबिक 1 से 6 जुलाई तक बारिश की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग की ओर से किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 जुलाई से लेकर 4 जुलाई तक हर दिन 'थंडरस्टॉर्म विथ रेन' यानी गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 1 जुलाई को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री रहेगा। जबकि नमी (ह्यूमिडिटी) 90 प्रतिशत से 75 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई है। 2 जुलाई को तापमान 34 डिग्री और 26 डिग्री और 3 जुलाई को 33 डिग्री और 27 डिग्री रहेगा। मौसम विभाग ने बताया कि 5 और 6 जुलाई को मौसम 'रेन और थंडरशावर' यानी बारिश या गरज-चमक के साथ हल्की फुहारों के रूप में रहेगा। 5 जुलाई को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री, जबकि 6 जुलाई को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री रहेगा। इस दौरान ह्यूमिडिटी की दर 70 से 85 प्रतिशत तक बनी रहेगी। हालांकि, बारिश से मौसम कुछ हद तक राहत देगा, लेकिन वातावरण में अधिक नमी के कारण उमस लोगों को परेशान कर सकती है। सुबह और शाम के समय लोगों को सुहाना मौसम महसूस हो सकता है। लेकिन, दिन में गर्मी से राहत मिलने में थोड़ा समय लग सकता है।

दिल्ली सरकार की महिला पेंशन योजना में सामने आई बड़ी गड़बड़ी 60 हजार से अधिक लाभार्थी पाई गईं अयोग्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए सत्यापन अभियान के बाद दिल्ली सरकार की महिला पेंशन योजना के तहत 60,000 से अधिक लाभार्थी अपात्र पाई गई हैं। यह योजना विधवा, तलाकशुदा, अलग रह रही और निराश्रित महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले साल नवम्बर में शुरू किए गए डोर-टू-डोर सत्यापन अभियान में व्यापक विसंगतियां सामने आईं। जिसके चलते 60,000 से अधिक अपात्र प्राप्तकर्ताओं के नाम अब लाभार्थी सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सत्यापन में कई ऐसे मामले सामने आए, जहां महिलाएं अब पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती थीं, लेकिन पेंशन प्राप्त करना जारी रखे हुए हैं। इनमें तलाकशुदा होने का दावा करने वाली पुनर्विवाहित महिलाएं, स्थिर आय के बावजूद सहायता प्राप्त करने वाली कार्यरत महिलाएं और अन्य शामिल थीं, जो अब अपने पंजीकृत पते पर नहीं रहती थीं। अधिकारी ने कहा कि योजना के मौजूदा मानदंडों के तहत कई लाभार्थी अपात्र पाए गए। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में सत्यापन अभियान पूरा हो चुका है और डेटाबेस में आवश्यक सुधार किए गए हैं।

जय बापू, जय भीम और जय संविधान पर विचार-विमर्श होगा कांग्रेस की बैठकों में आज : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने घोषणा की कि कल 2 जुलाई को संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत दिल्ली भर में आयोजित होने वाली ब्लाक स्तर की संगठनात्मक बैठकों में जय बापू, जय भीम और जय संविधान विषय पर चर्चा होंगी, क्योंकि भाजपा की मोदी सरकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों, डॉ. भीमराव अम्बेडकर की सामाजिक समानता की विचारधारा और संविधान को खत्म करने का प्रयास कर रही है। भाजपा डॉ. अम्बेडकर की विचारधारा को खत्म करने और संविधान को क्षीण करने के अपने संकीर्ण राजनीतिक एजेंडे को थोपने के लिए विभानकारी नीति अपनाकर देश की प्रगति और विकास को रोक रही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अभिव्यक्ति की आजादी और सामाजिक समानता के गांधीवादी विचारों को जानबूझकर नष्ट करने का प्रयास कर रही है। दलितों, आदिवासियों और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए डॉ अंबेडकर की विचारधारा जिसके तहत उनको समान अधिकार, सामाजिक विकास, समानता के लिए, राजनीतिक सक्रियता में भागीदारी देने के लिए रणनीतियों के तहत इनके लिए अधिकार निर्धारित किए गए। संविधान को खत्म करने लिए विशेष एजेंडा के तहत इन वर्गों के अधिकारों को खत्म करने, संवैधानिक संस्थानों पर कब्जा करके स्वतंत्र राष्ट्र को नष्ट करना चाहते है, जबकि इन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में कोई भूमिका नही निभाई। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता बैठकों में भाजपा की विभाजनकारी नीति पर चर्चा करेंगे और भाजपा की बांटने और बर्बाद करने एजेंडे को लागू नही होने देंगे।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- नाबालिग की सहमति नहीं रखती मायने, दुष्कर्म के दोषी की 10 साल की सजा बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराए गए आरोपित की 10 साल की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी 10 साल की जेल की सजा को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि घटना के समय पीड़िता की उम्र 15 वर्ष थी, इसलिए भले ही यौन संबंध सहमति से प्रतीत होते हों, यह मामला कानूनन दुष्कर्म की श्रेणी में ही आता है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने 2023 में निचली अदालत के फैसले को सही ठहराया और कहा कि अभियोजन पक्ष की ओर से पेश साक्ष्य और गवाहियों पर विश्वास किया जा सकता है।

कोर्ट ने कहा- पीड़िता की उम्र को लेकर कोई विवाद नहीं उठाया गया- अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता यह साबित करने में असमर्थ रहा है कि पीड़िता का यह बयान कि अपीलकर्ता ने प्रह्लादपुर में उसके साथ यौन संबंध बनाए थे, झूठा है। अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता ने पीड़िता की उम्र को लेकर कोई विवाद नहीं उठाया।

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को नहीं मिलेगा पेट्रोल और डीजल, निगरानी के लिए पुलिस टीमें तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से मंगलवार से एक महत्वपूर्ण यातायात नियम लागू कर दिया गया है। राजधानी में 10 साल से अधिक पुरानी डीजल गाड़ियों और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही यदि कोई ऐसी गाड़ी ईंधन भरवाने की कोशिश करती है तो उसे जब्त किया जा सकता है। परिवहन विभाग ने दिल्ली पुलिस और यातायात कर्मियों के साथ मिलकर सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए खास रणनीति बनाई है।

मंगलवार को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से तस्वीरें आईं, जहां आम जनता के लिए पेट्रोल पंपों पर नोटिस लगाए गए हैं। मेहरौली-बदरपुर रोड स्थित लाल कुआं के भारत पेट्रोलियम पेट्रोल पंप पर सुबह से ही वाहन चालक पेट्रोल भरवाने के लिए पहुंचे। पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें रात 12 बजे के बाद प्रशासन की ओर से निर्देश प्राप्त हो गए थे कि तय समय सीमा से पुरानी गाड़ियों को ईंधन नहीं दिया जाए। उन्होंने कहा, ÷अब हम गाड़ियों की स्थिति और रजिस्ट्रेशन साल देखकर ही ईंधन भर रहे हैं। यदि कोई जबरदस्ती करता है तो उसके लिए हमें पुलिस की मदद लेने के लिए नंबर दिए गए हैं।'

इसी तरह चिराग दिल्ली स्थित पेट्रोल पंप पर ट्रांसपोर्ट एनफोर्समेंट और ट्रैफिक पुलिस की टीम तैनात दिखी, जो 10 साल पुरानी डीजल गाड़ी और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर कड़ी निगरानी रख रही है। ट्रांसपोर्ट एनफोर्समेंट के सब इंस्पेक्टर धर्मवीर ने कहा, 'दिल्ली सरकार के इस फैसले का सख्ती से पेट्रोल पंप पर पालन करवा रहे हैं। सुबह 6 बजे से ही ड्यूटी लगा दी गई है। लोकल थाने की पुलिस और ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी हमारी मदद कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'तमाम पेट्रोल पंप पर कैमरे और हूटर लगा दिए गए हैं। अगर कोई तयशुदा पैमाने पर खरी न उतरती गाड़ी आती है तो कैमरा उसको डिटेक्ट कर लेता है, जिसके बाद ऑटोमेटिक हूटर बजने लग जाता है।'

इस फैसले पर दिल्लीवासियों की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, हालांकि अधिकांश लोग इसे एक जरूरी और सार्थक कदम मान रहे हैं। पेट्रोल पंप पर अपनी बारी का इंतजार कर रहे अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि यह सरकार का बहुत अच्छा कदम है। अगर गाड़ियों को 15 साल हो चुके हैं, तो उन्हें हटाना ही बेहतर है। प्रदूषण ज्यादा होगा तो बीमारियां भी बढ़ेंगी। यह फैसला बिल्कुल सही है।

कंज्यूमर मनिंदर ने भी सरकार के फैसले को सही बताते हुए कहा कि सरकार के इस फैसले से प्रदूषण कम होगा। इससे हमें राहत मिलेगी। मैं इस कदम का पूरा समर्थन करता हूं। हालांकि, कुछ लोगों ने नियमों को लेकर सवाल भी उठाए। एक व्यक्ति ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि डीजल और पेट्रोल की गाड़ियों के लिए अलग-अलग नियम ठीक नहीं हैं। या तो दोनों को 10 साल में बैन करें या दोनों को 15 साल में। दोनों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए।

वहीं, मनोज भसीन ने कहा कि यह सरकार का सही और सोच-समझकर लिया गया निर्णय है। पुरानी गाड़ियां प्रदूषण की मुख्य वजह हैं। उन पर रोक लगाना जरूरी है। सरकार

को सख्ती से इस नियम का पालन करवाना चाहिए।

'जनता की यही है इच्छा', पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग पर बोलीं सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग की है। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर कहा है कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम 'महाराजा अग्रसेन रेलवे स्टेशन' किया जाए।

डॉक्टर्स डे के अवसर पर दिल्ली मेडिकल फोरम के डॉक्टर्स ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से दिल्ली सचिवालय में मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग पर बयान दिया।

दिल्ली के सीएम ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'समाज के लोगों ने गुजारिश की थी, जिसके बाद हमने उनकी मांग के मद्देनजर पत्र रेल मंत्री को भेजा है, बाकी ये निर्णय उनका होगा।'

साथ ही, रेखा गुप्ता ने डॉक्टर्स डे की बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं डॉक्टर्स डे पर देश और दुनिया भर के सभी डॉक्टरों को तहे दिल से बधाई देती हूं। सभी को मिलकर उत्कृष्ट चिकित्सा बुनियादी ढांचा और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं विकसित करनी चाहिए और दिल्ली को मेडिकल हब बनाना चाहिए।'

बता दें कि सीएम रेखा गुप्ता ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग को लेकर ये पत्र बीते महीने जून में लिखा था। उन्होंने रेल मंत्री को लिखे इस पत्र में कहा था, 'मैं आपसे विनम्र अनुरोध करती हूं कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम महाराजा अग्रसेन के सम्मान में बदलने पर विचार करें। महाराजा अग्रसेन सामाजिक न्याय, आर्थिक दूरदर्शिता और सामुदायिक कल्याण के प्रतीक हैं। उनके अनुयायी और वंशज दिल्ली के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम महाराजा अग्रसेन रेलवे स्टेशन करने से उनके अमर योगदानों को सम्मान मिलेगा और यह दिल्ली के लाखों निवासियों की भावनाओं को गहराई से छुएगा। इस प्रस्ताव पर अपने मंत्रालय द्वारा शीघ्र और सकारात्मक विचार के लिए आपका व्यक्तिगत हस्तक्षेप अत्यंत सराहनीय होगा।'

मनजिंदर सिंह सिरसा माफी मांगें, हम झुग्गीवासियों और पूर्वांचलियों के साथ आप नेताओं का निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कहा कि जब भी चुनाव आता है तो ये लोग पूर्वांचलियों से प्यार दिखाते हैं, बिहार दिवस मनाते हैं। जब चुनाव हो जाता है तो इनसे नफरत करने लग जाते हैं। यूपी-बिहार के चुनाव में वहां के लोग बीजेपी को हराकर जवाब देंगे। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने बीजेपी सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के बांग्लादेशी-रोहिंग्या वाले बयान का विरोध जताया है। घर-रोजगार बचाओ आंदोलन की कड़ी में हुए आज के प्रदर्शन में विधायक संजीव झा, पूर्व विधायक ऋतुराज झा, अखिलेशपति त्रिपाठी, विनय मिश्रा और दिल्ली महिला विंग की अध्यक्ष सारिका चौधरी समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा द्वारा दिल्ली के झुग्गी झोपड़ी के पूर्वांचलवासियों को बांग्लादेशी/रोहिंग्या कहना अपमानजनक है। इस अपमान के खिलाफ सभी पूर्वांचल के लोगों में भारी आक्रोश है। पूर्वांचल के सम्मान को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी हमेशा उनके साथ खड़ी है। विधायक संजीव झा ने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली में झुग्गियों को तोड़ रही है। इन झुग्गियों में बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग बहुतायत में रहते हैं। रविवार को जंतर-मंतर पर झुग्गीवासी इकट्ठा थे। संजीव झा ने कहा कि अब मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आंदोलन में मौजूद लोगों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी बताया, यह गलत है। संजीव झा ने कहा कि ये लड़ाई पूर्वांचल के स्वाभिमान और अस्मिता की है, बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के सम्मान का सवाल है। मनजिंदर सिंह सिरसा माफी मांगें। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो जहां-जहां मनजिंदर सिंह सिरसा जाएंगे, बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग उनका विरोध करेंगे। आप के दिल्ली प्रदेश पूर्वांचल विंग के अध्यक्ष अखिलेश पति त्रिपाठी ने कहा कि देश इस तरह के बयान को बर्दाश्त नहीं करेगा। मनजिंदर सिंह सिरसा को पूर्वांचल के लोगों से माफी मांगनी होगी।

दिल्ली महिला कांग्रेस की बैठक में शामिल हुई अलका लांबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली प्रदेश कार्यालय में हुई जिसमें अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव, दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पुष्पा सिंह, सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे। इस मौके पर कहा गया कि इस माह दिल्ली प्रदेश कांग्रेस द्वारा रोजगार मेले में बेरोजगारों को रोजगार दिलवाने में शुरू किया गया कार्य बहुत ही अच्छा रहा। और नशे के विरोध में पूरी दिल्ली में किया गया प्रदर्शन व जनता से जुड़े मुद्दो को आगे भी उठाए जाएगे। महिलाओं को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि संगठन सृजन में महिलाओं को विशेष स्थान दिया जाएगा, आज की बैठक में जिला अध्यक्षों में सुनीता धवन, रशमी सिंह, संतोष मलिक, इद्रवती सिंह, मीनू वर्मा, नेहा यादव, रविता पाल, कमलेश चौधरी, कांता शर्मा, सहित प्रदेश की नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शामिल होकर आगामी महिने की योजनाओं पर काम करके महिलाओं को सगठन से जोडकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का सकल्प लिया।

पूर्व कर्मचारी ने फर्जी पुलिस गैंग से कराई लूट, 24 घंटे में दिल्ली पुलिस ने 8 आरोपियों को पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में फर्जी पुलिस गैंग का पर्दाफाश हुआ है। एक खास ऑपरेशन के बाद दिल्ली पुलिस को सफलता मिल पाई और पूरे गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूर्वी जिला की स्पेशल स्टाफ टीम और लक्ष्मी नगर पुलिस थाने के स्टाफ ने पिछले 24 घंटे में इन सभी आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों के पास से दो गाड़ियां, चोरी का नकद, लैपटॉप और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, इन आरोपियों ने लक्ष्मी नगर इलाके में फर्जी स्पेशल स्टाफ यूनिट के रूप में एक बीमा पॉलिसी के दफ्तर पर छापा मारकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। 27 जुलाई को शास्त्री पार्क के रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी थी, जिसमें बताया गया कि चार व्यक्ति स्पेशल स्टाफ यूनिट के पुलिसकर्मी बनकर उसके कार्यालय में जबरन घुसे। उन्होंने मोबाइल फोन और लैपटॉप चोरी कर लिया। एक हुंडई वेन्यू कार में जबरदस्ती ले जाकर पीटा और डेढ़ लाख रुपये भी लिए, जिसमें 70 हजार रुपये उनके खाते में ट्रांसफर कराए गए। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने उसे नकली बीमा धोखाधड़ी केस में फंसाने की धमकी भी दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्वी जिला पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू की। दिल्ली पुलिस ने बताया कि एक स्पेशल स्टाफ टीम ने इस घटना की जांच शुरू की। स्थानीय इलाके के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच के बाद सभी आरोपियों की पहचान की गई। तकनीकी सूचनाओं के आधार पर 28 जून की रात नोएडा लिंक रोड पर कार में सवार पांच फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद लक्ष्मी नगर और पूर्वी जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 3 अन्य आरोपियों को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से पकड़ा गया। जांच के दौरान पता चला कि एक आरोपी, हन्नी कुमार पहले पीड़ित के यहां पर काम करता था और दो हफ्ते पहले ही उसने नौकरी छोड़ी थी। आरोप है कि व्यक्तिगत द्वेष के चलते हन्नी कुमार ने सनी शर्मा को पीड़ित के बारे में कंपनी के अंदर की जानकारियां दीं। इसके बाद इन आरोपियों ने मिलकर चोरी की योजना बनाई और उसे अंजाम तक पहुंचाया। आरोपी पुलिसकर्मी बनकर शिकार को डराकर उसकी संपत्ति और पैसे हथिया रहे थे। फिलहाल पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

दलाई लामा से मिले स्पीकर विजेंद्र गुप्ता, दिल्ली विधानसभा आने का दिया न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने आज हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात की। विजेंद्र गुप्ता ने दलाई लामा को विधानसभा आने का भी निमंत्रण दिया है। अध्यक्ष फिलहाल राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए धर्मशाला में हैं। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने एक बयान में कहा कि गुप्ता ने दलाई लामा से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद मांगा। बयान में कहा गया है कि बातचीत के दौरान, विजेंद्र गुप्ता ने परम पावन के शांति, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे के कालातीत संदेश के प्रति अपना गहरा सम्मान व्यक्त किया और उन्हें अपनी सुविधानुसार दिल्ली विधानसभा का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि दलाई लामा का गहन ज्ञान और प्रेरणादायक उपस्थिति विधान सभा के सदस्यों और दिल्ली के लोगों को लाभान्वित करेगी।

दिल्ली के गांधी नगर में चला एमसीडी का बुलडोजर, सड़क से लेकर घरों तक के अतिक्रमण साफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नराजधानी दिल्ली में अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर बुलडोजर ऐक्शन जोरों-शोरों से जारी है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अब किसी भी अब बख्शने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। एमसीडी द्वारा मंगलवार को पूर्वी दिल्ली के गांधीनगर इलाके में अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर बादल सिंह ने कहा, ÷सोमवार शाम गांधीनगर वार्ड की निगम पार्षद प्रिया कंबोज और कृष्णा नगर वार्ड के पार्षद संदीप कपूर ने मुझसे मुलाकात की और मुझे इस सड़क पर अतिक्रमण और लोगों को रोजाना होने वाली परेशानियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि यहां एंबुलेंस को भी रास्ता नहीं दिया जाता... हमने आज अभियान चलाया और सारा अतिक्रमण हटा दिया। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे ऐसा दोबारा न करें क्योंकि अब इलाके में अतिक्रमण विरोधी अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा।÷ बता दें कि हाल के बीते कुछ सप्ताह में राजधानी के जंगपुरा के मद्रासी कैंप, कालकाजी भूमिहीन कैंप, अशोक विहार और वजीरपुर में भी अतिक्रमण और अवैध निर्माणों के खिलाफ इसी तरह के अभियान चलाए गए हैं। इस दौरान अनेक झुग्गियों को बुलडोजर की मदद से हटाया गया है। हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप) और उसके मुखिया एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस कदम के पीछे भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। केजरीवाल और उनके साथियों और विधायकों ने दिल्ली में झुग्गीवासियों पर जारी बुलडोजर ऐक्शन के खिलाफ रविवार 29 जून को जंतर-मंतर पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने इस कार्रवाई के खिलाफ झुग्गीवालों से सड़कों पर उतरने और भविष्य के चुनावों में भाजपा और कांग्रेस दोनों को खारिज करने की भी अपील की। केजरीवाल ने विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था 'जहां झुग्गी, वहां मकान', लेकिन उनके कहने का मतलब था 'जहां झुग्गी, वहां मैदान'। उनके वादे झूठे हैं और मैं आपसे आग्रह करता हूं कि भविष्य में उनके झांसे में न आएं।÷ 'आप' के मुखिया ने आरोप लगाया कि रेखा गुप्ता की सरकार ने पिछले पांच महीनों में शहर को 'बर्बाद' कर दिया है। केजरीवाल ने झुग्गीवासियों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा, ÷यहां 40 लाख झुग्गीवासी हैं। अगर आप सड़कों पर उतरेंगे तो वे तोड़फोड़ रोकने को मजबूर हो जाएंगे।÷ उन्होंने कहा, ÷अन्ना आंदोलन जंतर-मंतर से शुरू हुआ और कांग्रेस को सत्ता से हटा दिया। यहां से एक नया आंदोलन शुरू होगा और भाजपा की सत्ता पर पकड़ भी डगमगा जाएगी।÷ 'आप' संयोजक ने लोगों से भविष्य में कांग्रेस और भाजपा में से किसी को भी वोट न देने का आग्रह करते हुए कहा कि दोनों पार्टियां ''भाई-बहन'' की तरह हैं।

'दिल्ली में भाजपा फुलेरा की पंचायत चला रही, इन्हें काम करना नहीं आता' : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने बीजेपी सरकार द्वारा पुराने वाहनों को पेट्रोल पंपों पर जब्त करने और बारिश के मौसम में कृत्रिम बारिश कराने के फैसले गलत बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी को सरकार चलानी नहीं आती है। ये लोग सरकार नहीं, फुलेरा की पंचायत चला रहे हैं। पुराने वाहनों को पेट्रोल पंपों पर जब्त करने से कर्मचारियों और वाहन मालिकों के बीच लड़ाई- झगड़ा होगा।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने सड़कों के गड्ढे भरने का सिर्फ दिखावा किया। छोटे गड्ढे तो भर दिए, लेकिन बड़े गड्ढों को छोड़ दिया। इनको काम नहीं, सिर्फ बहाने बनाने हैं। ये पांच साल सिर्फ बहाने बनाएंगे और केजरीवाल को गालियां देंगे। वहीं, अरविंद केजरीवाल ने हमेशा जनादेश का सम्मान करते हुए काम किया, उन्होंने कभी शीला दीक्षित सरकार का बहाना नहीं बनाया।

दिल्ली में सरकार फुलेरा की पंचायत की तरह चल रही: भारद्वाज

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने 1 जुलाई से दिल्ली से पुरानी गाड़ियों को हटाए जाने को लेकर मंगलवार को कहा कि भाजपा दिल्ली में सरकार नहीं चला रही, बल्कि वह फुलेरा की पंचायत जैसा प्रशासन चला रही है। यदि पुराने वाहनों को सड़कों से हटाना है, तो क्या इसके लिए कोई और तरीका नहीं मिला? पेट्रोल पंप मालिकों की एसोसिएशन कह रही है कि यह नीति अव्यवहारिक है। सरकार फुलेरा की पंचायत की तरह चल रही है और इन लोगों को न तो सरकार चलानी आती है और न ही ये चला सकते हैं।

सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली में हो रही रोज की बारिश के बावजूद दिल्ली सरकार के कृत्रिम वर्षा (आर्टिफिशियल रेन) कराने के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि यह किस तरह के अफसर है, जिसने तय किया कि मानसून के दौरान दिल्ली में कृत्रिम वर्षा का पायलट प्रोजेक्ट किया जाएगा, जबकि दिल्ली में पहले से ही बारिश हो रही है। फुलेरा की पंचायत के लोग भी इस तरह का अव्यवहारिक फैसला नहीं लेंगे। आम आदमी पार्टी जब सरकार में आएगी, तब इन सभी मामलों की जांच कराई जाएगी।

पांच साल तक बीजेपी वाले सिर्फ केजरीवाल को गाली देंगे: भारद्वाज

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगले पांच साल तक मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सिर्फ आप को गाली देती रहेंगी। पांच साल बाद वह यही कहेंगी कि पिछली सरकार में अरविंद केजरीवाल ने ऐसा किया, इसलिए कुछ नहीं हो पाया। जब आप ने शीला दीक्षित के खिलाफ चुनाव लड़ा और सरकार बनाई, तब कभी यह बहाना नहीं बनाया कि शीला दीक्षित ने ऐसा किया, इसलिए काम नहीं हो रहा। ÷आप÷ ने हमेशा कहा कि हमें जिस स्थिति में जनादेश मिला, उसका सम्मान करते हुए हम जनता के लिए काम करेंगे। दिल्ली की मौजूदा बीजेपी सरकार को काम करने की इच्छा नहीं है, वह सिर्फ बहानेबाजी करती है। अगर इनकी सरकार पांच साल चली, तो यह सिर्फ बहाने बनाएंगे।

सौरभ भारद्वाज ने उड़ीसा के भुवनेश्वर में एक आईएएस अधिकारी के साथ मारपीट करने की वायरल वीडियो पर कहा कि दिल्ली में कहा गया कि अंशु प्रकाश को तथाकथित किसी ने थप्पड़ मारा। उस समय उसके ऊपर पूरा जमीन आसमान एक कर दिया गया। अब वे सभी आईएएस अधिकारी कहां छिपे हैं, जो पहले टीवी पर आकर आप और अरविंद केजरीवाल को गालियां देते थे। वे भाजपाई कहां गए, जो अराजकता की बात करते थे। अब क्या होगा? क्या पूरे देश में आईएएस अधिकारी हड़ताल पर चले जाएंगे?

सौरभ भारद्वाज ने आईएएस एसोसिएशन पर भी उठाए सवाल

सौरभ भारद्वाज ने इस मामले को लेकर आईएएस एसोसिएशन पर सवाल उठाते हुए कहा

कि क्या आईएएस एसोसिएशन यह मानता है कि वह भी एक राजनीतिक बॉडी है। उन्होंने मनोज तिवारी द्वारा एक आईपीएस अधिकारी का गिरेबान पकड़ने की घटना का जिक्र किया और कहा कि जब मनोज तिवारी ने एक आईपीएस का गिरेबान पकड़ लिया, उस समय आईपीएस एसोसिएशन चुप रही, कोई हड़ताल नहीं हुई, कोई आवाज नहीं उठी। क्या भाजपा ही आईएएस, आईपीएस और अन्य अधीनस्थ सेवा संगठनों को चलाती है? क्या ये सभी संगठन भाजपा के इशारों पर काम करते हैं?

संक्षिप्त समाचार

घर बना 'नागलोक', टाइल्स के नीचे नाग-नागिन के साथ 35 सांप निकले; दो कमरों तक फैला था कुनबा

रायपुर, एजेंसी। सांप को देखकर किसी के भी होश उड़ जाए। ऐसे में जब किसी के घर में एक-दो नहीं, बल्कि कई दर्जन सांप निकल आए तो सोचिए क्या होगा। सांपों के कुनबे में एक नाग-नागिन का जोड़ा भी हो तो उस घर में रहने वालों की क्या हालत होगी ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से सटे आरंग क्षेत्र के ग्राम देवरी में सामने आया है। एक घर से नाग-नागिन सहित उनके 35 बच्चे भी मिले हैं। सापों को देखने के लिए घर के बाहर भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

नागलोक जैसी घटना आरंग से लगे देवरी गांव में इंद्र कुमार साहू के घर पर हुआ है। यहां नाग-नागिन और लगभग 35 छोटे-छोटे सांप मिले हैं। इस घर में इंद्र कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। कुछ दिन पहले घर के अंदर से उन्हें दो छोटे-छोटे नाग सांप मिले, जिसे उन्होंने घर से बाहर निकालकर छोड़ दिया। ऐसी आशंका हुई कि बारिश के कारण सांप बाहर निकले होंगे। दूसरे दिन फिर सांप निकला। इसे परिवार के लोग घबरा गए और चीखते-चिल्लाते हुए घर से बाहर निकल आए।

इंद्र कुमार ने इसकी जानकारी गांववालों को दी। गांव के ही सांप पकड़ने वाले एक व्यक्ति को बुलाया गया। टाइल्स को ठोक-ठोक कर देखने पर एक जगह खाली जगह होने की आवाज आई। इसके बाद घर के दो कमरे में लगी टाइल्स को निकालने पर नाग-नागिन और लगभग 35 छोटे-छोटे सपोले निकले। इसकी जानकारी डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई।

देवरी गांव के एक घर में बड़ी संख्या में नाग मिलने की सूचना तेजी से आसपास के गांवों में फैल गई। इसके बाद काफी भीड़ जुट गई। आरंग पुलिस भी मौके पर पहुंची। सांप पकड़ने वालों की मदद से सांपों को रेस्क्यू कर उसे दूसरी जगह पर छोड़ दिया गया। वहीं इस घटना के बाद से गांव में दहशत भी देखा गया। किसी और घर में तो सांपों ने घर नहीं बना लिया होगा। सोशल मीडिया में इस घटना की दिनभर चर्चा होती रही।

नायब सैनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी, किस बात पर भड़के हैं कर्मचारी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में नायब सैनी सरकार के खिलाफ कर्मचारियों में नाराजगी है। यह कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर सैनी सरकार के फैसले से भड़के हुए हैं। अब इन कर्मचारियों ने नौ जुलाई से हड़ताल की तैयारी कर रखी है। सैनी सरकार के फैसले पर ऑल-इंडिया स्टेट गवर्नमेंट इंप्लॉइज फेडरेशन के अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राय सरकार ने कर्मचारियों से बातचीत किए बिना एकतरफा रूप से यूपीएस लागू करने का निर्णय लिया है। इसके चलते कर्मचारियों में काफी असंतोष है। लांबा ने कहाकि इस निर्णय का विरोध विभिन्न लोकतांत्रिक साधनों से किया जाएगा। इसी सिलसिले में 9 जुलाई को हड़ताल का आह्वान किया गया है। सुभाष लांबा ने दावा किया कि सरकार ने कर्मचारियों को नए पेंशन योजना (एनपीएस) और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के बीच चुनने का विकल्प देने का निर्णय लिया था। इसको जनवरी 2006 से लागू किया जाना था। लेकिन अब सरकार ने अपने वादे से पीछे हटते हुए प्रतीत हो रही थी। उन्होंने कहाकि अगर वास्तव में सरकार को कर्मचारियों के हक की चिंता है तो उन्हें ओपीएस, एनपीएस और यूपीएस के बीच चुनने का विकल्प देना चाहिए। लांबा ने कहाकि केंद्रीय व्यापार संघों और केंद्रीय तथा राय सरकार के कर्मचारियों के संघों ने 9 जुलाई को हड़ताल का ऐलान किया है। हमारी मुख्य मांग पुरानी पेंशन फिर से लागू करना है। सुभाष लांबा के मुताबिक यूपीएस लागू करने के एकतरफा फैसले के खिलाफ पेंशन बहाली संघर्ष समिति समेत राय के सभी कर्मचारी संगठन शामिल हैं।

मराठी मानुष के सामने हार गई महाराष्ट्र सरकार, हिंदी पर फैसला वापस होने पर उद्धव ठाकरे का तंज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार के हिंदी अनिवार्य करने के फैसले को वापस लेने के बाद शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने फडणवीस सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य के स्कूलों में पहली से पांचवी तक की कक्षाओं में तीन भाषा नीति के तहत हिंदी अनिवार्य करने के फैसले को वापस ले लिया है। मतलब सरकार ने मराठी मानुष के सामने हार मान ली है। दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे के साथ में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने वाले उनके चचेरे भाई और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी इस सफलता का श्रेय मराठी मानुष को ही दिया।

मीडिया से बात करते हुए उद्धव ने देवेंद्र फडणवीस की सरकार के ऊपर मराठी मानुष की एकता को तोड़ने और मराठी और गैर-मराठियों लोगों के बीच में विभाजन पैदा

करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷सरकार मराठी मानुष की ताकत से हार गई। सरकार को यह अहसास नहीं था कि मराठी मानुष इस तरह एकजुट हो जाएगा।''

दूसरी तरफ राज ठाकरे ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा कि हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए राज्य सरकार पर किसने दबाव डाला, यह रहस्य बना हुआ है। मनसे अप्रैल 2025 से इस मुद्दे को उठा रही थी, जिसके बाद अन्य राजनीतिक दलों और संगठनों ने इसका हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''अगर (5 जुलाई को) मोर्चा होता, तो इससे संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन की यादें ताजा हो जातीं। सरकार को इसका डर होना चाहिए। यह डर होना चाहिए।''

शिवसेना (उबाठा) में ठाकरे के सहयोगी संजय राउत ने घोषणा की थी कि पांच जुलाई को मराठी आरक्षण आंदोलन के विरोध में आयोजित रैली रद्द कर दी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा फैसला वापस लिये जाने के बाद कहा कि अब यह आयोजन मराठी एकता की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक विजय जुलूस होगा। ठाकरे ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को झूठ की फैक्टरी भी करार दिया।

वीजा नहीं मिला तो तार के नीचे से आ गया पाकिस्तानी कपल, रेगिस्तान में भूख-प्यास ने ले ली जान

जैसलमेर, एजेंसी। जैसलमेर के सुनसान रेगिस्तान में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पाकिस्तानी कपल 17 साल के रविकुमार और 15 साल की शांति बाई ने बेहतर जिंदगी की तलाश में भारत की सीमा पार की, लेकिन उनकी यह ख्वाहिश प्यास और गर्मी की भेंट चढ़ गई। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि शनिवार को बिभियान रेगिस्तान में उनके शव बरामद हुए, जिनके पास खाली पानी का कैन पड़ा था। माना जा रहा है कि डिहाइड्रेशन और तपती गर्मी ने उनकी जान ले ली। रवि और शांति की शादी चार महीने पहले पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मीरपुर मथेलो, घोटकी जिले में हुई थी। यह शादी उनके परिवारों ने तय की थी। भारत में सुरक्षित और बेहतर जिंदगी का सपना देखते हुए दोनों ने वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्तों के कारण उनकी अर्जी खारिज हो गई। फिर भी, हार न मानते हुए उन्होंने अवैध रूप से सीमा पार करने का जोखिम भरा फैसला लिया। पुलिस के मुताबिक, रवि के पिता ने उन्हें सीमा पार करने के खतरों से आगाह किया था। एक हफ्ते पहले इस बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई थी, लेकिन रवि अपने इरादे से नहीं डिगे।

नवजात बच्ची को लावारिस हालत में टोकरी में छोड़ा, नोट डालकर लिख दिया सॉरी

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई के पनवेल इलाके में तीन दिन की नवजात बच्ची को लावारिस हालत में टोकरी में छोड़ दिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। बच्ची के साथ एक नोट भी मिला है, जिसमें उसके माता-पिता ने आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते उसे पालने में असमर्थ होने की बात लिखी है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को पनवेल क्षेत्र के टक्का कॉलोनी में सड़क किनारे नीले रंग की टोकरी में नवजात बच्ची को देख एक स्थानीय निवासी ने पुलिस को सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी हिरासत में ले लिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि टोकरी में एक नोट भी मिला है, जो अंग्रेजी में लिखा गया है। इसमें बच्ची के माता-पिता ने लिखा है कि वे बेहद गरीब हैं और बच्ची को पालने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने नोट में सॉरी लिखते हुए खेद भी जताया है। पुलिस ने बच्ची को तुरंत डॉक्टर के पास पहुंचाया, जहां जांच में उसकी हालत स्थिर पाई गई। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के माता-पिता की तलाश की जा रही है।

नवजात को छोड़ने का मामला दर्ज: पनवेल टाउन पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के तहत नवजात को छोड़ने का मामला दर्ज किया

है। दूसरी ओर, केरल के त्रिशूर जिले में एक युवक रविवार तड़के नशे की हालत में थाने पहुंचा और दावा किया कि उसके बैग में 2 नवजात शिशुओं के कंकाल हैं। पुलिस के अनुसार, युवक ने पुडुक्कड़ थाने में अधिकारियों को बताया कि ये नवजात शिशु एक महिला के साथ उसके संबंधों से पैदा हुए थे। पुलिस के मुताबिक युवक ने दावा किया कि दोनों बच्चों की मौत अलग-अलग समय और स्थान पर हुई थी।

31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा: अमित शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माओवादियों के साथ किसी भी तरह की बातचीत से साफ इनकार किया है। रविवार को उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित संगठन के कार्यकर्ताओं को हथियार छोड़ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा, हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो। अगर आप आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो हमने तय किया है कि 31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर में करीब 10 हजार लोगों ने हथियार छोड़ दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गए। शाह ने कहा कि इन लोगों ने तालुक स्तर से लेकर राज्य विधानसभाओं तक के पदों के लिए हुए चुनावों में भी हिस्सा लिया। इसी तरह पिछले डेढ़ साल में 2,000 से ज्यादा माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

तेलंगाना के निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद अमित शाह ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठा रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ऑपरेशन के प्रभाव को समझने के लिए पाकिस्तान की कमजोर छवि देखनी चाहिए। शाह ने कहा, 'कांग्रेस इन लोगों (माओवादियों) से बातचीत करने को कहती है। हमारी सरकार की हथियार रखने वालों से बात नहीं करने की नीति है। हथियार छोड़ दें, आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में शामिल हों।

मध्य प्रदेश में नक्सल समस्या खात्मे की ओर: डीजीपी

दूसरी ओर, मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने रविवार को दावा किया कि सूबे में केवल एक जिले में सीमित नक्सल समस्या भी अब खात्मे की ओर है। राज्य पुलिस ने पिछले छह महीने के भीतर मुठभेड़ों में 10 नक्सलियों का सफाया करके बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार ने देश भर में नक्सलवाद को मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य तय किया है। मकवाना ने इंदौर जोन के पुलिस अधिकारियों की बैठक के दौरान बताया, 'नक्सल समस्या कई वर्षों से देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। हालांकि, मध्यप्रदेश में मोटे तौर पर नक्सल समस्या से केवल बालाघाट जिला प्रभावित है।' उन्होंने बताया कि प्रदेश पुलिस ने पिछले छह महीने के दौरान मुठभेड़ों में 10 नक्सलियों का खात्मा किया है और यह एक रिकॉर्ड है।

नूंह को मिली नई सौगात, 100 बेड के जचा-बचा अस्पताल के निर्माण को मंजूरी

फरीदाबाद, एजेंसी। नूंह के शहीद हसन खान मेवाती सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है। अस्पताल परिसर में मातृ एवं शिशुओं के बेहतर इलाज के लिए 100 बेड का अलग से अस्पताल बनाया जाएगा। सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। अगले माह से निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

नूंह शहीद हसन खान मेवाती सरकारी मेडिकल कॉलेज एंव अस्पताल में अभी मातृ एवं शिशुओं के बेहतर इलाज की सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। गंभीर मामलों के लिए मरीजों को पहले फरीदाबाद के बीके अस्पताल रेफर किया जाता है। यहां भी सुविधाओं का काफी अभाव है। इस कारण मरीजों को दिल्ली के बड़े सरकारी अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है, जिससे समय की बर्बादी के साथ कई बार गंभीर मरीजों की जान को खतरा रहता है। नया अस्पताल बनने से मरीजों को यहीं उच स्तरीय इलाज मिल सकेगा।

अस्पताल में मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी

आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शिशुओं के लिए एनआईसीयू (नवजात गहन चिकित्सा इकाई), वेंटिलेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में गिरावट की उम्मीद: अस्पताल बनने से न केवल मातृ-शिशु दर में कमी आएगी, बल्कि जन्म के समय नवजातों को बेहतरीन जीवन रक्षण भी मिल सकेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच व इलाज के लिए आगे आएंगी।

मेडिकल कॉलेज को भी मिलेगा विस्तार: अस्पताल के निर्माण से शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों में भी विस्तार होगा। चिकित्सा छात्रों को व्यवहारिक प्रशिक्षण और शोध के लिए एक नया मंच मिलेगा, जिससे संस्थान की गुणवत्ता और प्रतिष्ठा में इजाफा होगा।

स्थानीय लोगों में खुशी: सरकार के इस फैसले से नूंह जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय पंचायतों ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है। लोगों ने कहा कि इससे विशेष रूप से गरीब और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लाभ होगा जो आर्थिक स्थिति के कारण बड़े शहरों में इलाज नहीं करा पाती थीं। सरकार के इस फैसले से नूंह जिले के लोगों में खुशी का माहौल है।

यूपी में सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से कांस्टेबल और उसके बेटे की दर्दनाक मौत

पीलीभीत, एजेंसी। यूपी के पीलीभीत में सड़क हादसा हो गया। पीलीभीत-शाहजहांपुर हाईवे पर बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एसएसबी कांस्टेबल और उसके पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली बीसलपुर पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवाए। हादसा करने के बाद ट्रक को लेकर चालक मौके से फरार हो गया। कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम परसिया निवासी 36 वर्षीय वीरपाल एसएसबी में कांस्टेबल है। उनकी ड्यूटी पीलीभीत में चल रही है। सोमवार सुबह वीरपाल अपने 15 वर्षीय पुत्र सुमित के साथ बाइक से शेरगंज रेलवे स्टेशन पर जा रहे थे। वहां से ट्रेन पकड़ कर उन्हें पीलीभीत ड्यूटी पर आना था। जैसे ही यह लोग कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के हाईवे पर टोल टैक्स के समीप पहुंचे तभी सामने से आ रहे ट्रक ने उनको टक्कर मार दी। हादसे में दोनों पिता पुत्र की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा होते ही ट्रक चालक ट्रक को लेकर मौके से भाग निकला। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की काफी भीड़ एकत्र हो गई सूचना पुलिस को दी गई तो कोतवाली बीसलपुर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए। मृतक सुमित भी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बीसलपुर में इंटरमीडिएट का छात्र था। पिता पुत्र की मौत के बाद परिजनों के साथ-साथ ग्रामीणों में भी शौक की लहर दौड़ गई। प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला ने बताया दुर्घटना करने वाले ट्रक और चालक की तलाश की जा रही है। घटनास्थल पर आसपास लगे सीसी कैमरा के माध्यम से तलाश चल रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पापा मुझे चॉकलेट खानी है पैसे देदो... ये सुनकर गुस्साए पिता ने कर दी 4 साल की अपनी बेटी की हत्या

लातूर, एजेंसी। महाराष्ट्र के लातूर जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आयी है।शराब के आदी एक व्यक्ति ने अपनी चार वर्षीय बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी, क्योंकि उसने चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे मांगे थे।

बेटी ने मांगी पापा से चॉकलेट, पिता ने कर दी गला घोंटकर हत्या : शराब के आदी एक व्यक्ति ने चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे मांगने पर अपनी चार वर्षीय बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान बालाजी राठौड़ के रूप में हुई है और उसे घटना के बाद हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

शराब की लत के कारण परिवार से करता था शराबी रोज झगड़ा: अधिकारी ने बताया, ''राठौड़ शराब पीने का आदी है जिसके कारण उसके परिवार में अक्सर झगड़े होते रहते थे। उसकी पत्नी उसे छोड़कर अपने पिता के साथ रहने लगी थी। दोपहर में उसकी बेटी आरुषि ने उससे चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे मांगे। गुस्से में आकर उसने साड़ी से उसका गला घोंटकर हत्या कर दी।''

बेटी की हत्या के बाद पत्नी ने मांगी पति के लिए मौत की सजा : राठौड़ की पत्नी वर्षा ने अपने पति के लिए मृत्युदंड की मांग की है। आरोपी लातूर जिले के उदगीर तालुका के भीमा टांडा का रहने वाला है। पुलिस ने उसकी पत्नी की शिकायत पर प्राथमीकि दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जांच जारी है।

कौन हैं आईपीएस कुंवर विजय प्रताप सिंह, आईजी का पद छोड़ लड़ा चुनाव; अब आम आदमी पार्टी से निलंबित

अमृतसर, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह को पार्टी से 5 साल के लिए सस्पेंड कर दिया है। उन पर अनुशासनहीनता और पार्टी के विपरीत चलने के आरोप लगे हैं। उन्होंने अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की गिरफ्तारी पर अपनी ही पार्टी पर सवाल उठाए थे। यह नया मामला नहीं है। पहले भी अक्सर कई बार वह आम आदमी पार्टी सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं। मूलरूप से बिहार के जिले गोपालगंज के रहने वाले कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं। कुंवर विजय प्रताप ने बतौर आईजी अमृतसर जोन के बॉर्डर जिलों में उल्लेखनीय कार्य किया था, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित किया गया था।

गोलीकांड की जांच रिपोर्ट से हिलाई थी कैप्टन सरकार: पंजाब की कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार में कुंवर विजय प्रताप सिंह धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं के दौरान 2015 में कोटकपुरा और बहिबल कलां में हुए गोलीकांड की जांच के लिए गठित एसआईटी के चीफ थे। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में इनकी एक रिपोर्ट दाखिल की थी, जिस से कैप्टन अमरिंदर सरकार हिल गई थी। कुंवर विजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

को हाईकोर्ट ने राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया था। रिपोर्ट के खारिज होने से जहां कैप्टन सरकार कांग्रेस के नेताओं से ही घिरी, वहीं कुंवर विजय प्रताप ने भी इसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना सेवानिवृति से करीब एक दशक पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

केजरीवाल से प्रेरित होकर आये थे राजनीति में: आईपीएस की नौकरी से इस्तीफा देने वाले कुंवर विजय प्रताप सिंह साल 2021 में अमृतसर में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय समन्वयक अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। अरविंद केजरीवाल से प्रेरित होकर अमृतसर नॉर्थ विधानसभा सीट से चुनावी दंगल में उतरे और जीत दर्ज की।

उन्होंने कांग्रेस के सीटिंग विधायक सुनील दत्ती को उन्होंने हराया था। लेकिन कुंवर विजय प्रताप सिंह की पार्टी से नाराजगी और दूरी 2022 विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद ही नजर आने लगी थी। उन्होंने 2022 में 2 अफसरों के ट्रांसफर और पोस्टिंग पर सवाल उठाए थे। कुंवर विजय प्रताप बरगाड़ी गोलीकांड की जांच कर चुके हैं। वह आईजी रहते हुए केस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के प्रमुख थे। उन्होंने मान सरकार पर आरोप लगाया था कि वह दोषियों को सजा दिलाने में इच्छाशक्ति नहीं दिखा रही।

2024 में कुँवर ने सोशल मीडिया पर जालंधर से सांसद सुशील कुमार रिंकू और विधायक शीतल अंगुराल के भाजपा जॉइन करने के बाद पार्टी पर सवाल खड़े किए। इसके साथ ही उन्होंने सांसद राघव चड्ढा के विदेश में होने पर भी तंज कसा था। उन्होंने लिखा था कि लिखा था- क्या से क्या हो गया देखते-देखते। आखिर कहीं तो चूक हुई है। अपनों से दूरी, छल-कपट और गैरों को गले लगाना, यह कौन सा न्याय है

आपकी बातों पर विश्वास किया और राजनीति का शिकार हो गया: साल 2023 में बेअदबी के दोषियों पर कोई कार्रवाई न करने पर विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने फिर आप सरकार को कटघरे में खड़ा किया। सीएम भगवंत मान का पुराना वीडियो शेयर करते हुए वादे के बावजूद बेअदबी के दोषियों पर कोई कार्रवाई न करने पर उन्होंने लिखा था कि मैंने अप्रैल 2021 में आईपीएस पद से इस्तीफा दिया तो आपकी बातों पर विश्वास किया और राजनीति का शिकार हो गया। आज एसआईटी आपकी है, आज गृह मंत्री आप हैं। एसआईटी गवाहों को नकार रही है।

संक्षिप्त समाचार

चारबाग आउटर स्टेशन पर वंदे भारत पर हुआ पथराव, शीशा टूटने से सहम गए यात्री

लखनऊ, एजेंसी। वंदे भारत एक्सप्रेस पर शरारती तत्वों ने फिर पथराव कर दिया। आनंदविहार जा रही वंदे भारत पर लखनऊ आउटर पर पथराव किया गया, जिससे चेयरकार बोगी के यात्री सहम गए। यह हाल तब है, जब वंदे भारत एक्सप्रेस की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से होती है। आरपीएफ इन कैमरों की मदद से कई पत्थरबाजों को गिरफ्तार भी कर चुकी है। आए दिन प्रयागराज और मेरठ में इस ट्रेन पर पत्थरबाजी के मामले सामने आ रहे हैं। अब लखनऊ में भी ऐसी घटना सामने आई है। गाड़ी संख्या 22425 अयोध्या-आनंदविहार वंदे भारत

एक्सप्रेस शनिवार शाम को चारबाग से रवाना हुई। ट्रेन आलमबाग पश्चिम केबिन के पास पहुंची ही थी कि बोगी सी-11 की सीट संख्या 30, 31 और 32 के सामने वाली खिड़की पर पत्थर चला दिया गया। इससे चेयरकार बोगी सी-11 का शीशा टूट गया। यात्री निर्मेष ने इसकी शिकायत आरपीएफ कंट्रोल रूम में दर्ज कराई। आरपीएफ ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लखनऊ जंक्शन से नई दिल्ली जाने वाली वीआईपी ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस में शनिवार को ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग कर्मचारियों की लापरवाही के कारण गेट नहीं खुले। इससे काफी देर तक 600 यात्री बारिश के बीच प्लेटफॉर्म पर खड़े रहे। यात्री कृष्ण कुमार ने रेलवे प्रशासन से इसकी शिकायत की है।

सीट नहीं, फिर भी कर दिया रिजर्वेशन- लखनऊ-वाराणसी शटल ट्रेन की चेयरकार बोगी सी-2 में दो सीटों की फीडिंग ऑनलाइन गलत दर्ज हो गई। बताया जा रहा है कि यह दिक्कत कई दिनों से है। इसके चलते यात्रियों को सीट संख्या 74 व 75 आवंटित कर दी जाती है, लेकिन जब यात्री ट्रेन में पहुंचते हैं तो उन्हें सीट ही नहीं मिलती। पता चलता है कि ये सीटें हैं ही नहीं। यात्री सुनव बासु बिस्वास ने उत्तर रेलवे प्रशासन से इसकी शिकायत की है।

कैसे हुई चंद्रेश की मौत, पुलिस पर गंभीर आरोप...फंदे पर लटकी मिली लाश; भाई पर भी हुआ था हमला

आगरा, एजेंसी। आगरा के राकेश नगर (ट्रांस यमुना) में 26 वर्षीय मजदूर चंद्रेश का शव रविवार रात 10 बजे घर में फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने की आशंका जाहिर की है। उन्होंने कहा कि चंद्रेश के भाई बहोरन पर घर के बाहर जानलेवा हमला हुआ था। 29 दिन बाद भी पुलिस ने एक भी आरोपी गिरफ्तार नहीं किया। उल्टा उनके घर में दबिश देकर धमकाया। दहशत में परिवार दूसरी जगह रहने लगा। चंद्रेश घर में ही रुका हुआ था। मामले में पुलिस जांच कर रही है। राकेश नगर निवासी बहोरन सिंह ने बताया कि 1 जून को वह घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी मोनू सविता और अमित यादव आए। उन्होंने हाथों में तमंचे लिए थे। दोनों ने फायर किए। अमित यादव का फायर मिस हो गया। हमलावरों के साथ रेवी यादव सहित कई युवक और भी थे। उन्होंने घर में छिपकर किसी तरह अपनी जान बचाई।

बहोरन सिंह का आरोप है कि पुलिस ने तीनों - ारोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। मगर, अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया। 20 जून को पुलिस ने उनके घर में दबिश दी। पुलिस उनके परिचित लवकुश की तलाश में आई थी। वह उनके घर में रहने आया था।

सपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री एवं सासंदल्लअखिलेश यादव के 52वें जन्मदिन पर हर्ष उल्लास के साथ काटा केक

बॉबी राजपूत संवाददाता आगरा- सपा जिला आगरा मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, सपा प्रमुख अखिलेश यादव की लंबी उम्र के लिए जगह-जगह रक्तदान , फल वितरण,आयोजन भी किया गया पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकताओं ने रक्तदान कर उनकी लंबी उम्र के लिए दुआएं मांगी जिला अध्यक्ष श्रीकृष्ण वर्मा जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय से लेकर जिले के हर विधानसभा में जगह जगह पेड़ पौधे लगाए गए समाजवादी पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं कार्यकताओं ने 2027 में माननीय श्री अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया

नि.जिला अध्यक्ष श्रीकृष्ण वर्मा जी ने कहा आज देश की तीसरे नंबर की सबसे बड़ी पार्टी के मुखिया आदरणीय अखिलेश यादव जी का जन्मदिन आगरा जिले में ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है गरीब मजदूर किसान नौजवान छात्र-छात्राओं की आवाज को सड़क से लेकर संसद तक आवाज को बुलंद करने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश

यादव जी की लंबी उम्र के लिए मैं हम सब कामना करते है

वर्मा जी ने कहा समाजवादी सरकार के दौरान मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में विकसित करने की दिशा में कार्य किया था। एक्सप्रेस वे, हाईवे, रिवर फ्रंट, नदियों की सफाई, खेलों का विकास, स्टेडियम का निर्माण और खेल सुविधाओं के लिए आधारभूत ढांचा बनाने का कार्य, अस्पताल और मेडिकल कॉलेज का निर्माण, गांवो में सुविधाओं का विकास, खेती और किसानी के लिए नई-नई योजनाएं, बिजली क्षेत्र में कार्य और कानून व्यवस्था के लिए पुलिस को नए तरीके से तैयार करने का काम किया था। लेकिन भाजपा सरकार ने पिछले 8 साल में सब कुछ बर्बाद कर दिया, भाजपा ने एक भी विद्युत उत्पादन की इकाई नहीं लगाई, विकास को रोक दिया। राजनीतिक द्वेष भावना से कार्य किया।

भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। समाजवादी सरकार में हुए विकास कार्यों को अपना नाम देकर उसने श्रेय लेने का प्रयास किया जबकि हकीकत में उसने एक भी कार्य नहीं किया। भाजपा सरकार में सत्ता का दुरूपयोग हुआ, हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार और लूट हुई

श्री अखिलेश यादव के कार्यों की सराहना पूरे देश और दुनिया में हो रही है। श्री अखिलेश यादव द्वारा किए गए कार्य आज देश में उदाहरण के तौर पर लिए जाते हैं। विश्व स्तरीय लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे, इकाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और स्पोर्ट्स सिटी या गोमती रिवर फ्रंट और उसके किनारे बनाया गया स्टेडियम व अन्य सुविधाएं। समाजवादी सरकार में बनाए गए आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर श्री अखिलेश यादव ने देश में पहली बार लड़ाकू विमान और मालवाही जहाज को सड़क पर उतार कर अपने विकास के विजन को पूरे देश और दुनिया के सामने रखने का काम किया। देश की सबसे बड़ी सड़क आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे को अखिलेश यादव ने रिकॉर्ड 22 महीने में बना दिया।

इस दौरान चौधरी वाजिद निसार, रामसहाय यादव, सुरेन्द्र चौधरी,वीरेंद्र सिंह चौहान, पवन प्रजापति,रामगोपाल बघेल, राजपाल यादव,ममता टपलू , अमित कुशवाह, सन्तोष पाल बघेल, सोने लाल कश्यप प्रदीप सिंह जाटव, मनीष जाटव , राकेश प्रजापति, सुनील प्रजापति,आदि लोग मौजूद रहे

अछनेरा से कीठम,मथुरा-आगरा तक प्रत्येक खम्बे पर जल्द लगेगी स्ट्रीट लाइट - एसडीएम किरावली

बॉबी राजपूत

संवाददाता आगरा - अछनेरा से कीठम रोड पर कई दशकों से रात के अंधेरे में यात्रा कर रहे हजारों विद्यार्थियों और ग्रामीणों की समस्या को लेकर राष्ट्र एवं जनहितैषी भारतीय जनकल्याण क्रांति दल (बीजेकेडी) सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड.बी.आर. राजाराम लोधी उप जिलाधिकारी किरावली नीलम तिवारी से मिले उपरोक्त समस्या से उप जिलाधिकारी को अवगत कराया कि रोड पर अंधेरे के कारण हजारों विद्यार्थियों और ग्रामीणों का उज्जवल भविष्य खतरे में है और लगातार क्षेत्रीय लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं और उप जिलाधिकारी नीलम तिवारी ने उपरोक्त समस्या को बड़ी गंभीरता से सुनकर संज्ञान में लिया

आश्वासन दिया कि जल्द ही उपरोक्त रोड के प्रत्येक खंभे पर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाएगी

जिससे अंधेरे के कारण सड़क दुर्घटना ना हो

इस दौरान ठा. अर्जुन सिंह लोधी, राहुल लोधी, मनोज लोधी अन्य लोग मौजूद रहे

अछनेरा कीठम रोड गांव कचौरा में रोड पर जलभराव के विरोध में दिया धरना

हजारों विद्यार्थियों की शिक्षा हो रही है प्रभावित - राजाराम लोधी

बॉबी राजपूत संवाददाता आगरा - अछनेरा कीठम रोड गांव का कचौरा में रोड पर जल भराव है

ग्रामीणों ने बताया कि उपरोक्त रोड पर पानी का निकास एवं नालों की व्यवस्था नहीं है जिसके कारण काफी समय से उपरोक्त रोड पर जल भराव है और आने-जाने वाले ग्रामीणों को बहुत समस्या का सामना करना पड़ रहा है

विद्यालय जाने वाले हजारों विद्यार्थी एवं ग्रामीण दूषित पानी और कीचड़ में घर जाते हैं उपरोक्त रास्ते से निकलना दुश्वार हो रहा है विद्यार्थी विद्यालय नहीं जा पा रहे हैं उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है और उनके उज्जवल भविष्य खतरे में है

विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए भारतीय जनकल्याण क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष विद्यार्थियों के साथ शांतिपूर्ण दूषित पानी में बैठकर विद्यार्थी विरोधी व्यवस्था का विरोध किया

मीडिया के माध्यम से एसडीएम किरावली को सचेत करते हुए 24 घंटे में उपरोक्त हजारों विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों की समस्या के समाधान की मांग कि

किसी भी कारण उपरोक्त समस्या का समाधान नहीं किया जाता है तो उपरोक्त स्थान पर बैठकर ही हजारों विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों के साथ अनिश्चितकाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा

आजम-अखिलेश में बढ़ती दूरियां

तजीन फातमा बोलीं- उन्हें किसी से कोई उम्मीद नहीं...सिर्फ अल्लाह पर भरोसा

रामपुर, एजेंसी। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां से उनकी पत्नी तजीन फात्मा की मुलाकात के बाद दिए गए बयान ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। पूर्व सपा सांसद तजीन ने कहा कि अब उन्हें किसी से कोई उम्मीद नहीं है, सिर्फ अल्लाह पर भरोसा है। उनके इस बयान को समाजवादी पार्टी के प्रति उनकी नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर यह नाराजगी बढ़ी तो सपा के लिए मुस्लिमों को पार्टी से जोड़े रखने की चुनौती बढ़ जाएगी। तीन दिन पहले आजम खां की पत्नी तजीन उनसे मिलने पहुंचीं। मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब उनसे सवाल किया कि अब सपा के नेता भी आजम खां का हालचाल जानने नहीं आ रहे हैं, जबकि पहले बहुत लोग आते थे। अब सपा से क्या उम्मीद है, इस पर वह बोलीं, हमें किसी से कोई उम्मीद नहीं है। सिर्फ अल्लाह पर भरोसा है। उनका यह बयान रामपुर के सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल कहते हैं कि अखिलेश यादव ने आजम खां के बचाव में कोई काम नहीं किया।

न तो कोई आंदोलन किया और न ही कराया है। वह पार्टी के अध्यक्ष हैं, फिर भी मुसीबत में फंसे पार्टी के नेताओं का साथ नहीं देते। केवल बयानबाजी करते हैं, जबकि मुलायम सिंह यादव सड़क पर उतरकर अपने लोगों का साथ देते थे। आजम खां ने 2001 में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक प्रेम प्रकाश के खिलाफ चार महीने तक आंदोलन किया था, तब प्रदेशभर के सपाइयों ने आंदोलन में हिस्सा लिया था। खुद मुलायम सिंह रामपुर आए थे। आजम खां समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे हैं। पार्टी का मुस्लिम चेहरा होने के साथ ही फायरब्रांड नेता भी हैं। वह अपनी तीखी बयानबाजी के जरिए ही सियासत में अर्श पर पहुंचे और इसी बयानबाजी के कारण मुसीबत में फंस गए। 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने अधिकारियों के बारे में भी जमकर बयानबाजी की। यहां तक कह दिया कि डीएम से जूते साफ कराएंगे। इसी के चलते प्रशासन से छत्तीस का आंकड़ा हो गया और उनके खिलाफ 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हो गए। उनके दोनों बेटों, पत्नी और बहन के खिलाफ भी बड़ी संख्या में मुकदमे दर्ज हुए। आजम खां को छह मामलों में सजा भी हो चुकी है और अक्तूबर 2022 से वह सीतापुर जेल में बंद हैं।

न तो कोई आंदोलन किया और न ही कराया है। वह पार्टी के अध्यक्ष हैं, फिर भी मुसीबत में फंसे पार्टी के नेताओं का साथ नहीं देते। केवल बयानबाजी करते हैं, जबकि

अखिलेश बोले- हम तजीन की बात से सहमत

तजीन फात्मा के बयान पर लखनऊ में जब पत्रकारों ने सपा मुखिया अखिलेश यादव से बात की तो वह बोले, हम उनकी बात से सहमत हैं। उनके खिलाफ जो झूठे मुकदमे कराए गए हैं, वो किससे कहें... हम किससे कहें। उन्हें कोर्ट से इंसाफ मिल सकता है या ऊपर वाले से। सरकार बदलने पर भी उनकी मदद हो सकती है। अखिलेश के इस बयान की भी रामपुर के सपाइयों में खूब चर्चा हो रही है।

चंद्रशेखर से बढ़ रहीं नजदीकियां- आजम खां के परिवार की आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद से भी नजदीकियां बढ़ रहीं हैं। वह कई बार जेल में बंद आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और तंजीम फात्मा से मुलाकात कर चुके हैं। आजम खां के पक्ष में खुलकर बोलते भी हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान आजम खां और चंद्रशेखर मिलकर नया मोर्चा बना सकते हैं। इससे दलित और मुस्लिम गठजोड़ को मजबूती मिलेगी। ऐसा हुआ तो यह सपा मुखिया अखिलेश यादव के लिए चुनौती होगी कि वह मुस्लिमों को कैसे पार्टी से जोड़े रखते हैं।

सियासत में आजम का दबदबा

रामपुर की सियासत में लंबे समय तक आजम खां का दबदबा रहा है। वह शहर से 10 बार विधायक चुने गए। राज्यसभा और लोकसभा सदस्य भी रहे हैं। प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष भी बने और चार बार सपा सरकार में कई विभागों में मंत्री रहे। उनकी पत्नी तजीन फात्मा भी राज्यसभा सदस्य रहने के साथ ही शहर से विधायक चुनीं गईं। बेटे अब्दुल्ला आजम दो बार स्वार-टांडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे, लेकिन दोनों बार उनकी विधायकी कोर्ट के आदेश से चली गई। पहली बार कम उम्र में चुनाव लड़ने तो दूसरी बार मुकदमे में सजा के कारण विधायकी गई।

चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहरानी से सफाई करता है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
गुलाब जल-2 चम्मच
विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी तरोताजा लगेगी।

फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम?मच
कॉफी पाउडर- 2 चुटकी
विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री
चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को धो लें।

फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
आटा- 1 चम्मच
बेसन- 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

संपादकीय

पंजाबः क्या नशे के मुद्दे पर लड़ा जाएगा विस चुनाव?

पंजाब की राजनीति में पिछले कुछ सालों में नशा बड़ा मुद्दा रहा है। बुधवार को जब शिरोमणि अकाली दल के बड़े नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की गिरफ्तारी हुई तो एक बार फिर नशे के मुद्दे को लेकर पंजाब की राजनीति में हंगामा शुरू हो गया है। मजीठिया को विजिलेंस ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार किया है। विजिलेंस का आरोप है कि मजीठिया के खिलाफ ड्रग स्मगलिंग और हवाला कारोबार करने के सबूत मिले हैं। आरोप है कि मजीठिया ने 2007 से 2017 के बीच मंत्री रहते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। आखिर पंजाब की राजनीति में पिछले कुछ सालों में बिक्रम सिंह मजीठिया और नशे का मुद्दा कैसे साथ-साथ गूंजता रहा है, इसे समझने के लिए थोड़ा पीछे जाना होगा। आइए, चलते हैं। 2012 में नशा तस्करी का बड़ा मामला सामने आया था। इस मामले में 6000 करोड़ रुपए के सिंथेटिक ड्रग रैकेट का पता चला था और फतेहगढ़ साहिब में स्रद्धक्रभी दर्ज की गई थी। उस वक्त राज्य में शिरोमणि अकाली दल-भाजपा की सरकार थी और मजीठिया इस सरकार में राजस्व मंत्री थे। मजीठिया तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के मंत्रिमंडल के ताकतवर नेता थे। बताना जरूरी होगा कि वह शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के साले भी हैं।

2012 की यह घटना 2014 में बहुत बड़ा मुद्दा बन गई क्योंकि तब पंजाब पुलिस से बर्खास्त डीएसपी जगदीश भोला ने इस मामले में अदालत में हाजिर होने के दौरान मजीठिया का नाम लिया। भोला भी इस मामले में आरोपी थे। भोला ने आरोप लगाया कि मजीठिया के ड्रग तस्करों के नेटवर्क के साथ संबंध हैं। एक और बड़ी घटना इस मामले में हुई। मार्च, 2016 में अकाली दल के पूर्व विधायक और मजीठिया के करीबी बोनी अजनाला ने तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को पत्र लिखा था। पत्र में अजनाला ने लिखा था कि उनके एक दोस्त मनिंदर सिंह बिट्टू औलख को 2012 के ड्रग स्मगलिंग केस में फंसाया गया है और ऐसा सुखबीर बादल और मजीठिया के दबाव की वजह से हुआ है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अजनाला के इन आरोपों को मुद्दा बना लिया। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में मजीठिया को पंजाब में नशे की मुख्य वजह बताकर प्रचारित किया और इसी के दम पर 2017 में कांग्रेस और 2022 में आम आदमी पार्टी ने राज्य में सरकार बनाई। 2016 में

मजीठिया ने आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह और आशीष खेतान पर आपराधिक मानहानि का केस दर्ज किया।

2017 में कांग्रेस की सरकार बनी लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मजीठिया के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की। इसे लेकर पार्टी में अंदरूनी लड़ाई भी दिखाई दी थी। अमरिंदर सिंह के बाद जब चरणजीत सिंह चन्नी पंजाबी के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने दिसंबर 2021 में मजीठिया के खिलाफ नशे का केस दर्ज किया गया लेकिन इस मामले में पंजाब में उनकी भूमिका पर बात नहीं की गई थी और यह कनाडा में नशे के नेटवर्क पर था। यह मुकदमा 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले दर्ज किया गया था और चुनाव प्रचार के बाद मजीठिया को गिरफ्तार कर लिया गया था। मजीठिया 5 महीने तक पटियाला की जेल में रहे और अगस्त 2022 में उन्हें पंजाब और हरियाणा कोर्ट से जमानत मिली थी। याद दिलाना होगा कि 2022 के विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भगवंत मान ने मजीठिया पर निशाना साधा था और पंजाब के लोगों से कहा था कि कैसे ड्रग के मामले में आरोपी खुद को नशे से लड़ने वाला शख्स बता रहा है। 2022 के चुनाव में मजीठिया को अमृतसर ईस्ट सीट से हार का सामना करना पड़ा था हालांकि उनकी पत्नी को जीत मिली थी। पिछले कुछ महीनों में मजीठिया ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर पंजाब में बढ़ते नशे का आरोप लगाकर हमले तेज किए हैं। उन्होंने पंजाब सरकार के द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम पर सवाल उठाए और सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो पोस्ट करके बताया कि पंजाब की सड़कों पर नशेड़ी घूम रहे हैं। यह साफ दिख रहा है कि मजीठिया की गिरफ्तारी और नशे का मुद्दा एक बार फिर पंजाब में जोर पकड़ रहा है। क्या इसका 2027 के विधानसभा चुनाव में भी असर होगा?

व्यंग्य

व्यास पीठ पर हंस और कौवे

(सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स)

एक कहावत है कि जिसका काम उसी को साजे यानी निपुण व्यक्ति ही अपना दायित्व बखूबी निभा सकता है, लेकिन यहाँ तो कौवा चला हंस की चाल, अपनी भी भूल बैठा जैसी कहावत पर अमल करने की होड़ मची है। जिसने पुस्तकों का गहन अध्ययन नहीं किया, वह दिव्य ज्ञान बाँटने का ठेकेदार है । कथा व्यास के आसन पर प्रभुत्व जमाने का दम भर रहा है तथा दुहाई दे रहा है कि जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान । वैसे तो यह कहावत उन साधुओं के लिए बनी थी, जो परम विद्वान होते थे तथा मानवता के कल्याण हेतु समर्पित रहते थे यानी आज की तरह धंधे बाज नहीं होते थे। आजकल साधु की जगह स्वादु अधिक हो गए हैं जो हर प्रकार के मोह जाल में गहरे धँसे हैं। कथा व्यास और साधु में भी अंतर होता है। कथा व्यास जब से कथा की दक्षिणा की जगह कथा शुल्क लेने लगे हैं, वे भी अभिनेता की तरह दाम सर्वोपरि मानने लगे हैं। वैसे कथा करना भी एक धंधा है। पहले कथा धार्मिक आस्था का प्रतीक हुआ करती थी, अब कथा संगीत, अभिनय और नौटंकी का रूप ले चुकी है। शिक्षित और बुद्धिजीवी कथावाचक देश विदेश और टीवी चैनल्स पर अपना प्रभाव स्थापित कर रहे हैं तथा जो इस धंधे से आकर्षित होकर इसे अपनी कमाई का जरिया बना रहे हैं, वे अपना नाम, जाति बदलकर कथा के नाम पर फूहड़ गानों की पैरोडी याद करके नैन मटकाना सीख रहे हैं तथा कथा व्यास की गद्दी पर बैठकर भौंडा अभिनय करने से बाज नहीं आ रहे हैं। युग बदल रहा है तो श्रीमद् भागवत का अध्ययन कौन करे। ये नौटंकी बाज जानते और समझते हैं कि अब धर्म भी धंधा है और धार्मिक कथाएं भी। बात केवल भीड़ को प्रभावित करने की है। संस्कारों का संचरण करने की नहीं। संस्कारों का संचरण करने वाले कथा व्यास अब ढूँढे नहीं मिलते, अब गीत, संगीत, अभिनय का घालमेल करके सौंदर्य प्रसाधन का प्रयोग करने वाले कथा व्यासों की डिमांड अधिक है। कथा करने का ठेका लाखों करोड़ों में लेते हैं और उपदेश देते हैं कि लालच कभी मत करो, पैसे से मोह मत करो। दान में ही समृद्धि है। त्याग से बढ़कर संसार में दूसरा कोई सुख नही है। खुद एडवांस में पैसा लिए बिना कथा व्यास की गद्दी पर नही बैठेंगे और दूसरों को मोह माया से दूर होकर वैराग्य का पाठ पढ़ाएँगे। ऐसे में भला कौन ऐसा बेरोजगार होगा, जो कथा व्यास बनना नहीं चाहेगा। इसलिए नौटंकी बाज इस धंधे में अपना भाग्य क्यों न आजमाएँ । अपना धंधा जमाने के लिए कई बार समस्या जाति की भी आती है। ऐसे में जातीय हीनता से उबरने के लिए यदि अपने नाम में परिवर्तन करना पड़े तो परहेज कैसा। कुछ नौटंकी बाज अपनी धंधेबाजी के लिए कुछ भी कर सकते हैं। विद्वान कथा व्यास की कोई जाति नही पूछता, किंतु उन लम्पटों की जाति पर संदेह अवश्य व्यक्त करता है, जो कथा व्यास की गद्दी पर बैठकर अशोभनीय हरकत करते हैं। विभिन्न प्रकार की भाव भंगिमाएं बनाकर अपने आप को नौटंकी का कलाकार सिद्ध करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। समझदार श्रद्धालु जानते हैं कि कथा व्यास का सम्मान और अपमान जाति के आधार पर नही, अपितु उसके संस्कार और ज्ञान के आधार पर किया जाना चाहिए। यदि कथा व्यास किसी भी जाति का है, किंतु उसका आचरण सभ्य नहीं है, जिसने कभी श्रीमद् भागवत कथा, श्री राम कथा, श्री हनुमान कथा का अध्ययन ही न किया हो तथा नौटंकी और उल्टी सीधी पैरोडी गाकर भक्तों को भटकाने का प्रयास करे, तो ऐसे कथा व्यास के मुख पर कालिख का लेप करके सार्वजनिक मुंडन संस्कार कराए जाने से भी समझदार श्रोता नहीं चूकते। बाद में चाहे कोई कुछ भी कहे, लेकिन जो हो चुका होता है, वह इतिहास बन जाता है। बात केवल जाति की नहीं संस्कारों की भी है। जाति और संस्कारों में कोई मेल हो, ऐसा भी आवश्यक नही है। फिर भी व्यास पीठ पर बैठकर पीठ का अपमान करने वालों की यदि जाति भी पूछी जाए और उनके इतिहास को खंगाल कर यह निर्णय लिया जाए कि कथा व्यास कथा कहने के लायक है भी या नहीं, इसके सर्वाधिकार तो जिजमान के हाथ में सुरक्षित रहने ही चाहिए।

(विनायक फीचर्स)

पर्यावरणनाशेन नश्यन्ति सर्वजन्तवः। पवनः दुष्टतां याति प्रकृतिविकृतायते।। जब पर्यावरण का नाश होता है, सभी जीव जंतु नष्ट,प्रकृति विकृत हो जाती है

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस 3 जुलाई 2025-सिंगल यूज प्लास्टिक के भयंकर नकारात्मक परिणामों व पर्यावरण प्रदूषण को रेखांकित करना जरूरी

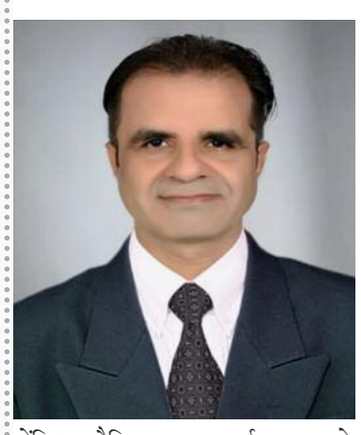

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर वर्तमान बदलते परिपेक्षमें हम अति तीव्र गति से विकास तो कर रहे हैं, परंतु ठीक उसी अंदाज में ही हमारे लिए पर्यावरण नुकसान के रूपमें परेशानियां, विभिशक्ता, नुकसान की खाई भी बढ़ती जा रही है इसीलिए बड़े बुजुर्गों वह बुद्धिजीवियों ने कहा है कि आधुनिक सुख सुविधाओं का उपयोग लेने से पहले उनके विपरीत परिणाम के बारे में भी ध्यान रखें, मैं एडवोकेट किशन सनमुख दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, ऐसा मानता हूं कि अच्छे इरादों और ढेर सारे नियमों के बावजूद प्लास्टिक के खिलाफ भारत की जंग को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन कुछ उत्साहजनक संकेत मिल रहे हैं जो यह बताते हैं कि यह लड़ाई अभी हारी नहीं है। तथ्य यह है कि प्लास्टिक अपशिष्ट को नियंत्रित करने वाला नियामक ढांचा,यद्यपि व्यापक है, तथापि अस्पष्ट परिभाषाओं और छूटों को संबोधित करने के लिए सुधार की आवश्यकता है, जो वर्तमान में प्रवर्तन को कठिन बनाते हैं।संस्कृतिक श्लोकों में भी आया है पर्यावरणनाशेन नश्यन्ति सर्वजन्तवः।पवनः दुष्टतां याति प्रकृतिविकृतायते ।।हिंदी अर्थः- हमारे पर्यावरण के प्रदूषण (विनाश) के कारण सभी प्राणी नष्ट हो जाते हैं, हवाएं खराब हो जाती हैं और प्रकृति शत्रुतापूर्ण हो जाती है। आज विषय आज इस विषय पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 3 जुलाई 2025 को प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस है,इसलिए आज हम चिन्हित एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं से पर्यावरण को होने वाले दुष्परिणामों को ध्यान में रखते हुए इसके उपयोग को खुद भी रोकना है और पूरे विश्व को इसके लिए जनजागृत करने में प्रभावी जनभागीदारी पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम सिंगल यूज प्लास्टिक और प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के बारे में जानने की करें तो, प्लास्टिक बैग के बारे में 5 तथ्य (1)प्लास्टिक की थैलियों को विघटित होने में 100 से 500 वर्ष लगते हैं।(2) हम हर साल 5 ट्रिलियन प्लास्टिक बैग बनातेहैं।(3) औसत व्यक्ति एक प्लास्टिक बैग का उपयोग 25 मिनट तक करता है। (4) दुनिया भर में हर मिनट हम 10 लाख प्लास्टिक बैग का उपयोग करते हैं। (5) प्लास्टिक थैलियों के कारण हर वर्ष लगभग 1,00,000 समुद्री जीव मारे जाते हैंपर्यावरण के लिए हानिकारक होने के अलावा, प्लास्टिक बैग भी खराब तरीके से डिजाइन किए जाते हैं और शायद ही कभी उनका पुनर्चक्रण किया जाता है। प्लास्टिक बैग हमारे ग्रह के लिए एक बड़ी समस्या बने हुए हैं। हर साल, 8 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक समुद्र में जाकर मछलियों और वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाता है। जब प्लास्टिक खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करता है, तो यह मानव स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

साथियों बात अगर हम कुछ देशों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक व बैगों के दुष्प्रभाव पर स्वतंत्र संज्ञान लेकर सख्त कदम उठाने की करें तो,कुछ स्थानों पर किसी भी तरह के प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है या नियम लागू किए गए हैं। ये उपाय करने वाले स्थानों में हवाई, उत्तरी कैरोलिना, इटली, चीन, अफ्रीका के कई देश और ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं। कुल मिलाकर, लगभग 127 देश किसी न किसी तरह से प्लास्टिक बैग को नियंत्रित करते हैं। इन नियमों में प्लास्टिक बैग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करना और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले बैग के लिए प्रोत्साहन देना भी शामिल है। ज्यादातर लोग प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल सिर्फ. एक बार करते हैं और फिर उसे फेंक देते हैं।सिंगल - यूज प्लास्टिक बैग ने कुछ शहरों को इन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के लिए प्रेरित किया है। जिन जगहों पर डिस्पोजेबल प्लास्टिक शॉपिंग बैग पर प्रतिबंध लगाया गया है।

साथियों बात अगर बिगड़ती पर्यावरण की स्थिति बिगड़ने की करें तो इससे होने वाले दुष्परिणामों पर वैश्विक स्तरपर रेखांकित किया जा रहा है और उनके अंतरराष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण सुरक्षा संबंधी उपायों पर एकीकृत विचारों का संयोजन हो रहा है दुनिया के देशों से कार्बन उत्सर्जन की मात्रा शून्य करने के बारे में कहा जा रहा है जिसमें पेरिस समझौता महत्वपूर्ण उदाहरण है इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही,पीआईबी के अनुसार ,चौथी संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा में,

भारत ने एकल उपयोग वाले प्लास्टिक उत्पादों के प्रदूषण से निपटने के लिए एक प्रस्ताव रखा था, जिसमें वैश्विक समुदाय द्वारा इस बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार किया गया था। यूएनईए 4 में इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया जाना एक महत्वपूर्ण कदम था। मार्च 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के हाल ही में संपन्न पांचवें सत्र में, भारत प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ वैश्विक स्तरपर कार्रवाई शुरू करने के संकल्प पर आम सहमति विकसित करने के लिए सभी सदस्य देशों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ा।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो, पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 16फरवरी, 2022 को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2022 के रूप में प्लास्टिक पैकेजिंग पर विस्तारित उत्पादकों की जिम्मेदारी पर दिशा-निर्देशों को भी अधिसूचित किया है। विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) दरअसल उत्पाद की शुरूआत से अंत तक उसके पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर प्रबंधन के लिए एक उत्पादक की जिम्मेदारी होती है। ये दिशा-निर्देश प्लास्टिक पैकेजिंग कचरे की चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, प्लास्टिक पैकेजिंग के नए विकल्पों के विकास को बढ़ावा देने और कारोबारी जगत द्वारा टिकाऊ प्लास्टिक पैकेजिंग के विकास की दिशा में कदम बढ़ाने से संबंधित रूपरेखा मुहैया कराएंगे।

साथियों बात अगर हम प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियमे 2021 की करे तो इसके अंतर्गत 75 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग के निर्माण, आयात, संग्रहण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर 30 सितंबरे 2021 से औरे 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले इस सामान पर 31 दिसंबर, 2022 से प्रतिबंध लगाया गया है। जिसमें हाल ही में संशोधन कर 150 माइग्रेन कर दिया गया है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम के आह्वान की करें तो, उन्होंने 2022 तक एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं को समाप्त करने के लिए दिए गए स्पष्ट आह्वान के अनुरूप, भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 12 अगस्ते 2021 को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियमे, 2021 को अधिसूचित किया। आजादी का अमृत महोत्सव की भावना को आगे बढ़ाते हुए, देश द्वारा कूड़े एवं अप्रबंधित प्लास्टिक कचरे से होने वाले प्रदूषण को रोकने के उद्देश्य से एक निर्णायक कदम उठाया जा रहा है। भारत 1 जुलाई, 2022 से पूरे देशमें चिन्हित् एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं, जिनकी उपयोगिता कम और प्रदूषण क्षमता अधिक है, के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाएगा।

साथियों बात अगर हम सिंगल यूज उपयोग वाली वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध की सूची की करें तो भारत सरकार ने, सिंगलयूज प्लास्टिकसे उत्पन्न कचरेसे होने वालेप्रदूषण को कम करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची में ये वस्तुएं शामिल हैं- प्लास्टिक स्टिक वाले ईयर बड, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम स्टिक,सजावट के लिए पॉलीस्टाइनिन (थर्मोकोल), प्लास्टिक की प्लेट, कप, गिलास, कटलरी, कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे, मिठाई के डिब्बों को रैप या पैक करने वाली फिल्म, निमंत्रण कार्ड, सिगरेट के पैकेट, 100` माइक्रोन से कम के प्लास्टिक या पीवीसी बैनर,स्टिरर।

साथियों बात अगर हम नियमों को ठोस कार्रवाई के माध्यम से लागू करने की करें तो, 1 जुलाई 2022 से चिन्हित एसयूपी वस्तुओं पर प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किये जायेंगे तथा प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक के अवैध निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री एवं उपयोग की निगरानी के लिए विशेष प्रवर्तन दल गठित किये जायेंगे। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को किसी भी प्रतिबंधित एकल उपयोग वाली प्लास्टिक की वस्तुओं के अंतर-राज्य परिवहन को रोकने के लिए सीमा जांच केंद्र स्थापित करने के लिए कहा गया है। सरकार एकल उपयोग वाली प्लास्टिक को समाप्त करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है। जागरूकता अभियान में उद्यमियों और स्टार्ट अप्स, उद्योग, केंद्रीय, राज्य और स्थानीय सरकारों नियामक निकायों, विशेषज्ञों, नागरिक संगठनों, अनुसंधान एवं विकास और अकादमिक संस्थानों को एकजुट किया गया है।

साथियों सीपीसीबी शिकायत निवारण ऐप, नागरिकों को प्लास्टिक से जुड़ी समस्या से निपटने में मदद हेतु सशक्त बनाने के लिए शुरू किया गया है। समुद्री पर्यावरण सहित स्थलीय और जलीय इकोसिस्टम पर एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के प्रतिकूल प्रभावों को वैश्विक स्तर पर पहचाना गया है। एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के कारण होने वाले प्रदूषण को दूर करना सभी देशों के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौती बन गया है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जब पर्यावरण का नाश होता है, सभी जीव जंतु नष्ट, प्रकृति विकृत हो जाती है।अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस 3 जुलाई 2025- सिंगल यूज प्लास्टिक के भयंकर नकारात्मक परिणामों व पर्यावरण प्रदूषण को रेखांकित करना जरूरी,विश्व के हर मानवीय जीव को सिंगल यूज प्लास्टिक को त्यागने का संकल्प लेकर पृथ्वी पर सभी जीवों की रक्षा करने में सहयोग देना जरूरी हैं।

मिजोरम की शिक्षा यात्रा भारत के लिए सबक...

मिजोरम की साक्षरता यात्रा देश के अन्य प्रदेशों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। 2011 में 91.58 फीसद लोग साक्षर थे। कहने को यह भी कहा जा सकता है कि केवल आठ फीसद लोगों को ही साक्षर करने का काम था। दिखने में और सुनने में आठ फीसद का लक्ष्य तय करना कोई बड़ी बात न हो, पर यही वह समूह था, जिसको साक्षर करना मुश्किल काम था। शिक्षा से दूर रहे इस समूह की मानसिकता बदलना मुश्किल ही नहीं कठिन काम होता है, जिसे मिजोरम ने अपनी इच्छा शक्ति से कर दिखाया। नब्बे के दशक में केरल संपूर्ण साक्षर घोषित किया गया था। केरल से पहले एर्नाकुलम जिले को संपूर्ण साक्षर घोषित किया गया था।

राजेंद्र जोशी

व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। शिक्षा और विकास एक दूसरे के पूरक हैं। प्रत्येक एक दशक बाद भारत में जनगणना होती है। जनगणना के आंकड़ों से साक्षरता दर का आकलन होता है। आजादी के बाद 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के बाद साक्षरता के क्षेत्र में तेज गति से काम होने लगा। 2001 से 2011 के दशक में साक्षरता की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुआ। इस दौरान अनेक प्रदेशों की साक्षरता दर में उछाल आया। इस दशक में साक्षरता के क्षेत्र में उत्तर भारत में उत्साह और उमंग के साथ सराहनीय काम हुआ, जहां साक्षरता प्रतिशत पचास फीसद से भी कम था। उस दौरान केरल 93.91 फीसद साक्षरता दर के साथ देश में नंबर एक पर था तो मिजोरम 91.58 फीसद साक्षरता दर के साथ तीसरे स्थान पर था। अब आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएफएलएस रपट के मुताबकि, मिजोरम 98.20 फीसद साक्षरता दर हासिल कर देश का पहला पूर्ण साक्षर प्रदेश बन गया। संपूर्ण साक्षरता अभियान के बाद उत्तर साक्षरता अभियान और सतत शिक्षा कार्यक्रम संचालित होने लगे और धीरे-धीरे साक्षरता अभियानों ने कार्यक्रम का स्थान

ले लिया। यहीं से साक्षरता कार्यक्रम बन गया और साक्षर होने की गति और उत्साह भी कम होने लगा। मिजोरम में फिर से साक्षर होने की कार्ययोजना तैयार कर उल्लास कार्यक्रम के तहत फिर वही प्रक्रिया अपनाई गई।

निरक्षर व्यक्ति को केवल साक्षर बनाना ही मकसद नहीं होता, नवसाक्षरों का शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक विकास करना होता है। यह बात मिजोरम ने समझी। प्रदेश के आर्थिक स्तर को सुधारने, भविष्य उन्नयन और नवसाक्षरों को व्यावसायिक कौशल देने के प्रयास भी किए। संपूर्ण साक्षरता अभियान की तरह सरकार ने जनता के सहयोग से निरक्षरता उन्मूलन के लिए स्वयंसेवक तैयार किए, उन्हें प्रशिक्षण दिया, शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाई, स्वयंसेवकों के साथ सरकार के प्रतिनिधि और अफसर नियमित संपर्क में बने रहे। प्रदेश भर में साक्षरता के पक्ष में वातावरण बनाया गया, वातावरण निर्माण के तहत घर-घर सर्वेक्षण किया गया, लोगों को आमंत्रित किया गया, असाक्षरों का सम्मान किया गया। उनके साथ निरंतर संपर्क रखा गया। इस कार्यक्रम में असाक्षर की पहचान, मूल्यांकन और निरीक्षण का काम प्रतिदिन होता रहा। क्लस्टर बनाकर क्षेत्र आधारित कार्यक्रम तैयार किए गए। छोटे-छोटे समूह बनाए गए, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद और समाज के व्यक्ति, जो साथ मिलकर असाक्षर व्यक्ति के घर जाते, उनसे आग्रह करते। समुदाय के सहयोग से संचालित साक्षरता अभियान के अंतर्गत स्थानीय भाषा और गहरी सांस्कृतिक सहायता से लोगों ने सिर्फ पढ़ना ही नहीं सीखा, बल्कि ऐसी संस्कृति का निर्माण किया जो ज्ञान को महत्त्व देने लगे। शिक्षित नागरिक से ही एक समग्र और विकसित राष्ट्र और समाज की परिकल्पना की जा सकती हैं।

यह अच्छी और सुखद खबर है। मिजोरम की साक्षरता यात्रा देश के अन्य प्रदेशों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। 2011 में 91.58 फीसद लोग साक्षर थे। कहने को यह भी कहा जा सकता है कि केवल आठ फीसद लोगों को ही साक्षर करने का काम था। दिखने में और सुनने में आठ फीसद का लक्ष्य तय करना कोई बड़ी बात न हो, पर यही वह समूह था, जिसको साक्षर करना मुश्किल काम था। शिक्षा से दूर रहे इस समूह की मानसिकता बदलना मुश्किल ही नहीं कठिन काम होता है, जिसे मिजोरम ने अपनी इच्छा शक्ति से कर दिखाया। नब्बे के दशक में केरल संपूर्ण साक्षर घोषित किया गया था। केरल से पहले एर्नाकुलम जिले को संपूर्ण साक्षर घोषित किया गया था। वहां भी संपूर्ण साक्षरता अभियान को जन आंदोलन बनाया गया था। केरल सरकार ने भारत ज्ञान विज्ञान समिति के साथ मिलकर यह काम किया। वहां भी उस समय केवल नौ फीसद लोगों को ही साक्षर करना था, लेकिन वे भी 'हार्डकोर ग्रुप' यानी शिक्षा से दूर रहे समूह की श्रेणी में थे। केरल की साक्षरता यात्रा घर, गांव और जिला स्तर तक चली। केरल में प्रत्येक सरकारी अधिकारी जन सहयोग से अपनी जिम्मेदारी समझकर निरक्षरता उन्मूलन के पवित्र काम में लगा था। केरल की तर्ज पर पूरे देश में साक्षरता अभियान संचालित हुआ। उसी तकनीक को मिजोरम सरकार ने भी जन सहयोग से अपनाया और संपूर्ण साक्षर प्रदेश बन गया। दरअसल, घने बांस के जंगलों और पहाड़ियों, गहरी घाटियों के कारण 'हार्डकोर समूह' की पहचान करना भी चुनौतीपूर्ण था। मिजोरम सरकार के लिए अब चुनौती इस बात की है कि ये लोग अभ्यास छूटने के बाद फिर से असाक्षर की श्रेणी में न आ जाएं। प्राथमिक शिक्षा में शत-प्रतिशत नामांकन हो और स्कूली पढ़ाई बीच में न छूटे। नवसाक्षरों की साक्षरता सतत बनी रहे, इसलिए व्यावसायिक कौशल के साथ जोड़ना सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। उनको रोजगार उपलब्ध कराने की जरूरत होगी, जिससे उनकी साक्षरता कायम रहेगी। ऐसी इच्छाशक्ति यह बताती है कि जब समुदाय और सरकार मिलकर काम करते हैं तो असाधारण परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। स्वतंत्र रूप से पूर्ण राज्य बनने के बाद इतने कम समय में पूर्ण साक्षर होना राज्य के लिए गर्व की बात है। अब निरंतरता में शिक्षा की मुहिम चलाए जाने की आवश्यकता है, ताकि मौजूदा उपलब्धि की रोशनी मिजो समाज को रोशन करे।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बराबरी के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बर्मिंघम (ईएमएस)। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम यहां बुधवार से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बाद भी खराब फील्डिंग के कारण हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में अपनी कमजोरियों को दूर करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ही सफल रहे थे। वहीं अन्य गेंदबाज विफल रहे थे जिसका भी नुकसान उसे उठाना पड़ा था। पांच मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच हारने के बाद भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं। ऐसे में उसके लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। उसे सीरीज में बराबरी के लिए इसे जीतना ही होगा। इस मैच के लिए मेजबान टीम ने कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं भारतीय टीम बदलावों के साथ उतरेगी पर क्या बदलाव होंगे ये मैच से पहले ही पता चलेगा क्योंकि भारतीय टीम ने अभी तक अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा नहीं की है। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह को इस मैच में आराम दिया जाना है। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह या आकाशदीप सिंह को शामिल किया जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर स्थान कुलदीप यादव को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पहले टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये थे, ऐसे में उनकी जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में शामिल किय जा सकता है।

बर्मिंघम में गर्म मौसम और सूखी पिच को देखते हुए इसमें स्पिनरों को सहायता मिल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम दो स्पिनरों को अंतिम ग्यारह में जगह दे सकती है। ऐसे में अनुभवी रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर में से दो को टीम में जगह मिल सकती है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसर टीम प्रबंधन कुलदीप की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल कर सकता है।

एजबेस्टन क्रिकेट मैदान की बात करें, तो मैच की शुरुआत में पिच से गति और उछाल हासिल हो सकता है। ऐसे में सलामी बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। शुरुआत के दो दिन

भले ही ड्यूक गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी, लेकिन तीसरे और चौथे दिन पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो सकती है। अगर बादल छाए रहे, तो तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। यहां मुकाबले के दूसरे और तीसरे दिन पिच नरम हो जाती है, जबकि चौथे और पांचवें दिन पिच पर दरारें और खुरदरे पैच नजर आने लगते हैं, जिससे स्पिनरों को सहायता मिलती है। मौसम विभाग के अनुसार मैच के पहले दिन बारिश की आशंका है। यहां खेल शुरू होने से पहले मौसम खराब हो सकता है। वहीं दूसरे दिन बीच-बीच में बादल आने की आशंका है। मुकाबले के तीसरे दिन बादल छाए रह सकते हैं। चौथे-पांचवें दिन बारिश के कारण खेल में आ सकती है बाधा आ सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अभिमन्यु ईश्वरन, ।

इंग्लैंड अंतिम ग्यारह

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

आंकड़ों पर नजर डालें तो इस मैच में इंग्लैंड का पलड़ा भारी है। इसका कारण है कि एजबेस्टन के इस मैदान पर भारतीय टीम आज तक नहीं जीती है। इस मैदान पर दोनो टीमों के बीच आठ मैच खेले हैं। जिसमें सात मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है।

11 लोगों की मौत का मामला : भगदड़ के लिए आरसीबी जिम्मेदार, कैट ने कहा- पुलिस के पास जादुई शक्तियां नहीं हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के लिए मंगलवार को प्रथम दृष्टया रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जिम्मेदार पाया। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद टीम द्वारा विधान सौधा से विजय परेड और स्टेडियम में प्रशंसकों के साथ जश्न के कार्यक्रम की घोषणा के बाद स्टेडियम के पास एमजी रोड और कुब्बोन रोड इलाकों में लगभग ढाई लाख प्रशंसक उमड़ पड़े थे।

कैट ने कहा, 'इसलिए प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग तीन से पांच लाख लोगों के एकत्र होने के लिए RCB जिम्मेदार है। आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली।' कैट ने अपने अवलोकन में कहा, 'अचानक उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया जिसके परिणामस्वरूप लोग एकत्र हो गए।' आरसीबी ने चार जून की सुबह की परेड और प्रशंसकों के कार्यक्रम के बारे में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया था और न्यायाधिकरण ने पाया कि पुलिस विभाग के पास इतने कम समय में इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं था।

कैट ने कहा, '04.06.2026 को समय की कमी के कारण, पुलिस उचित व्यवस्था करने में असमर्थ थी। पुलिस को पर्याप्त समय नहीं दिया गया। अचानक RCB ने बिना किसी पूर्व अनुमति के उपरोक्त प्रकार का बखेड़ा किया। पुलिस कर्मी भी इंसान हैं। वे न तो भगवान हैं और न ही जादूगर और न ही उनके पास 'अलाद्दीन का चिराग' जैसी जादुई शक्तियां हैं जो केवल उंगली रगड़ने से किसी भी इच्छा को पूरा कर सकती हैं।'

RCB प्रबंधन इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं था। इससे पहले इस घटना के संबंध में RCB और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आरोप लगाए गए थे जिसके कारण KSCS सचिव ए. शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम ने इस्तीफा दे दिया था।

मंधाना आईसीसी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मंधाना को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी-20 की सीरीज के पहले मैच में शतक का लाभ मिला है। उस मैच में उन्होंने चोटिल हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी करते हुए टीम को जीत दिलायी थी।

मंधाना ने 62 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाए थे, जिसकी मदद से भारतीय टीम ने 97 रन से जीत हासिल की थी।

मंधाना के अब सबसे अधिक 771 रेटिंग अंक हो गये है। ये उनके करियर की सबसे बेतर रैंकिंग है। वहीं वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 774 अंक लेकर दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 794 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं भारत की ही शेफाली वर्मा एक स्थान के लाभ के साथ ही 13वें जबकि हरलीन देयोल 86वें स्थान पर है। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लौरेन बेल चौथे स्थान जबकि पाकिस्तान की स्पिनर सादियो इकबाल नंबर एक पर है।

दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई टीमें जुड़ी, ऋषभ पंत सहित 10 से अधिक आईपीएल खिलाड़ी नीलामी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) ने मंगलवार को दूसरे सीजन से पहले दिल्ली प्रीमियर लीग (DPL) में दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी जोड़ने की घोषणा की। आउटर दिल्ली फ्रेंचाइजी को सबसे अधिक बोली लगाने वाले सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 10.6 करोड़ रुपए में हासिल किया। नई दिल्ली फ्रेंचाइजी को भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के कंसोर्टियम ने 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा।

इससे लीग में पुरुष टीमों की संख्या 6 से बढ़कर आठ हो गई है। दो नई टीमें टूर्नामेंट के 2025 संस्करण के लिए छह मौजूदा फ्रेंचाइजी जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और वेस्ट दिल्ली लायंस शामिल हैं, हिस्सा लेंगी। सीजन 2 के लिए खिलाड़ियों की

नीलामी 6 और 7 जुलाई को राजधानी में होगी। पुरुषों की नीलामी 6 जुलाई को होगी, उसके बाद महिलाओं की नीलामी 7 जुलाई को होगी।

दिलचस्प बात यह है कि पुरुषों की नीलामी में कई बेहतरीन खिलाड़ी शामिल होंगे जिनमें ऋषभ पंत, इशांत शर्मा जैसे नामी खिलाड़ी और प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी, हिम्मत सिंह, सुयश शर्मा, मयंक यादव और अनुज रावत जैसे उभरते सितारे शामिल हैं। DPL की वापसी पर बोलते हुए DDCA के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, 'दिल्ली प्रीमियर लीग सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह राजधानी की गहरी जड़ें जमाए क्रिकेट संस्कृति का जश्न है। सीजन 1 में हमने जिस तरह की प्रतिभा देखी, वह वाकई आशाजनक थी और इस विस्तार के साथ हम और भी ज़्यादा खिलाड़ियों को चमकने का मंच दे रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'प्रियांश आर्य, दिग्वेश राठी और कई अन्य प्रतिभाएं DPL के जरिए उभरीं और IPL 2025 के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिससे भविष्य के सितारों के लिए लीग के महत्व को साबित किया जा सका। जुलाई में होने वाली नीलामी सीजन के लिए माहौल तय करेगी और हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि यह अनुभव फ्रैंचाइजी, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए समान रूप से सहज और प्रभावशाली हो। हम सीजन 2 को लीग की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

गौरतलब है कि डीपीएल का सीजन 2 एक बार फिर नई दिल्ली के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। DDCA ने कहा कि खिलाड़ियों की नीलामी पूरी होने के बाद मैच की तारीखों और कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

स्मिथ को दूसरे टेस्ट के लिए वापसी की उम्मीद

ब्रिजटाउन। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट हो जाएंगे। स्मिथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट के बाद से ही खेल से दूर हैं। इसी कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट भी नहीं खेल पाये हैं। स्मिथ अब अपनी चोट से उबर गये हैं और नंबर 4 पर खेलने की तैयारी में लगे हैं। वह अपनी टीम के साथ भी जुड़ गये हैं। उनके अब अभ्यास सत्र में भी शामिल होने की संभावना है। जिससे वह अपनी लय हासिल कर सकें। स्मिथ को उनकी चोटिल उंगली के लिए एक पतली पट्टी लगाई जाएगी जिससे वह स्लिप में फील्डिंग नहीं कर पाएंगे पर बल्लेबाजी करते समय उन्हें शायद ही कोई परेशानी हो। स्मिथ ने कहा, मेरे लिए, यह सामान्य प्रशिक्षण की तरह ही महसूस होगा। मुझे वास्तव में कोई दर्द या कुछ भी महसूस नहीं होता है और पट्टी से भी अधिक परेशानी नहीं हो रही है हालांकि स्लिप की जगह पर अन्य जग हों पर फील्डिंग करना उनके लिए अजीब होगा। स्मिथ की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का मतलब है कि रिजर्व बल्लेबाज जोश इंगलिस को बाहर बैठना होना पड़ेगा। जोस पहले टेस्ट में केवल 5 और 12 रन ही बना पाये थे। ऐसे में उनका बाहर होना तय है। उनके अलावा सैम कोंस्टास और नंबर 3 कैमरून ग्रीन भी असफल रहे थे। स्मिथ को उम्मीद है कि वह शीर्ष क्रम में फिर वापसी कर सकेंगे। वहीं उनका मानना ??है कि कोंस्टास और ग्रीन आगे इस सीरीज में अच्छा स्कोर करेंगे। स्मिथ ने कहा, ये लोग अच्छे खिलाड़ी हैं, हमें बस उन्हें एक मौका देने की जरूरत है।

संन्यास से पहले ये बड़ा काम करना चाहते हैं नाथन लियोन, भविष्य को लेकर बताया प्लान

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)। ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर नाथन लियोन का टेस्ट क्रिकेट से निकट भविष्य में संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह इससे पहले भारत में एक टेस्ट श्रृंखला जीतना चाहते हैं। 37 वर्ष के आफ स्पिनर लियोन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 138 टेस्ट में 556 विकेट लिए हैं। भारत के खिलाफ उन्होंने 32 टेस्ट खेलकर 130 विकेट चटकाए हैं लेकिन भारत में कभी भी श्रृंखला नहीं जीत सके। ऑस्ट्रेलिया ने 2004-05 के बाद भारत को उसकी धरती पर नहीं हराया है। लियोन ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, 'मैं भारत में श्रृंखला जीतना चाहता हूं। मैं इंग्लैंड में भी श्रृंखला जीतना चाहता हूं।'

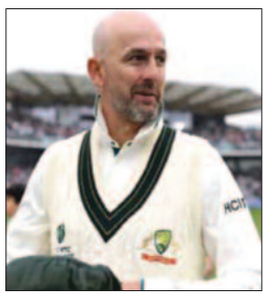

उन्होंने कहा, 'हमारे पास यह मौका होगा लेकिन हमें टेस्ट दर टेस्ट रणनीति बनानी होगी। हमें पहले यहां वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन करना है। इसके बाद एशेज खेलनी है। मेरी नजरें एक और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल पर भी है।' लियोन ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में 'सांग मास्टर' का अपना काम विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को सौंप दिया है जिन्होंने वेस्टइंडीज पर पहले टेस्ट में 159 रन से जीत के बाद यह जिम्मेदारी निभाई। ऑस्ट्रेलिया की हर जीत के बाद यह गीत 'अंडरनीथ द सदर्न क्रॉस' गाया जाता है जो सांग मास्टर शुरू करता है। रॉड मार्श ने यह परंपरा शुरू की और पूर्व बल्लेबाज माइकल हस्सी ने लियोन को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। लियोन ने कहा, 'मैने 12 साल तक यह जिम्मेदारी निभाई। यह मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि रही लेकिन इसे छोड़ने का मतलब यह कतई नहीं है कि मैं संन्यास ले रहा हूं।'

अर्शदीप सिंह नहीं, इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बुमराह की जगह ले सकता है ये गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लीड्स में करारी हार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए शुभमन गिल की प्लेइंग इलेवन में फेरबदल होने की संभावना है। चौथी पारी में लंच के बाद प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़ दें तो भारतीय गेंदबाजी आक्रमण एक बार फिर वन-मैन आर्मी रहा। भारत को पहले मैच में दबदबा बनाए रखने के बावजूद 5 विकेट से हार का सामना पड़ा था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तरह जसप्रीत बुमराह ने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को प्रासंगिक बनाने के लिए संघर्ष किया। हालांकि उनके कार्यभार की समस्याओं को देखते हुए भारत उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए आराम दे सकता है। लेकिन उनकी जगह कौन लेगा? ऐसा लगता है कि आकाश दीप सबसे आगे

हैं।

हर्षित राणा को टीम से जाने देने के बाद भारत के पास बेंच पर बहुत अधिक तेज गेंदबाजी विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। आकाश दीप और अर्शदीप सिंह दो अच्छे विकल्प बने हुए हैं। चोट से उबरने के बावजूद आकाश दीप एक और हिट-द-डेक विकल्प प्रदान करता है और प्रसिध जैसे किसी खिलाड़ी के साथ साझेदारी में काम कर सकता है। इस बीच अर्शदीप के पास काउंटी क्रिकेट का अनुभव है और वह सीम और स्विंग निकालने में माहिर है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, दाएं हाथ के आकाश दीप के बुमराह की जगह लेने की संभावना सबसे अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आकाशदीप को बुमराह की जगह लेने की संभावना है, न कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की।'

वहीं इंग्लैंड ने सोमवार को दूसरे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। जोफ्रा आर्चर जिसका टीम में शामिल होता लगभग तय था, वह परिवार में इमरजेंसी के कारण प्लेइंग 11 में जगह नहीं बना पाए।

श्रेयस घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलते दिखे

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलने का एक प्यारा वीडियो आया है, इसमें श्रेयस मां की गेंदबाजी पर बोल्ड होते दिख रहे हैं। ये वीडियो पंजाब किंग्स ने साझा किया है। इससें लिखा है, केवल प्रकार से बोल्ड होने पर श्रेयस को बुरा नहीं लग रहा होगा। इस वीडियो पर प्रशंसकों ने भी कई मजेदार कॉमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा है, गेंद हो या चप्पल, मां का निशाना कभी गलत नहीं होता। सोशल मीडिया में साझा किए गए इस वीडियो में दिख रहा है कि श्रेयर घर की गैलरी में बल्लेबाजी कर रहे हैं और गेंदबाजी उनकी मां के हाथों में है। पहली गेंद फुल टॉस और अय्यर उसे खेलने में सफल होते हैं पर दूसरी गेंद पर वह विफल हो जाते हैं। गेंद उनके बल्ले के पास से निकलकर स्टंप से टकरा जाती है। उसके बाद उनकी मां खुशी से दोनों हाथ हवा में उठाकर नाचने लगती हैं। बोलती हैं आउट। यह वीडियो जितना प्यारा है, उस पर प्रशंसकों ने भी उतना ही प्यार लुटाया है। इसके कॉमेंट भी काफी प्यारे और मजेदार हैं। एक प्रशंसक ने दिल के इमोजी के साथ लिखा, मां के जश्न को तो देखिए। एक अन्य ने लिखा, मां को कम मत समझिये वह हमेशा ही एक संपूर्ण गेंदबाज हैं।

दूसरे टेस्ट में सुदर्शन को शायद ही अवसर मिले, करुण बल्लेबाजी में तीसरे नंबर पर उतरेंगे !

बर्मिंघम। यहां बुधवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के बदलावों के साथ उतरने की संभावना है। इसमें पहले टेस्ट में विफल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन को दूसरे टेस्ट में शायद ही जगह मिले। वहीं बल्लेबाज करुण नायर को नंबर 3 पर भेजा जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर शार्दुल की जगह नीतीश रेड्डी का खेलना तय है। शार्दुल पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे, नीतीश गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं। वहीं स्पिन ऑलराउंर के तौर पर रविन्द्र जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर को अवसर मिल सकता है। स्पिनर कुलदीप यादव को अवसर मिलने की संभावना बेहद कम है क्योंकि सुंदर स्पिनर के साथ ही एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाएगा। उनकी जगह पर आकाशदीप सिंह को अवसर मिल सकता है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव एमपीओए के मुख्य संरक्षक बने

-मेंदोला फिर बने एमपीओए के अध्यक्ष

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ (एमपीओए) के मुख्य संरक्षक होंगे जबकि केबिनेट मंत्री कैलास विजयवर्गीय संरक्षक होंगे। वहीं रमेश मेंदोला एक बार फिर एमपीओए के अध्यक्ष बने हैं जबकि प्रशांत सिंह और विष्ण दत्त शुर्मा उपाध्यक्ष बने हैं। दिग्विजय सिंह को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मेंदोला और दिग्विजय अगले चार साल तक अपने-अपने पदों पर बने रहेंगे। वार्षिक सामान्य सभा की बैठक में पदाधिकारियों के नामों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों के नामों पर सहमति बनी जबकि कोषाध्यक्ष के रूप में जीतू जिराती का नाम तय हुआ है। एमपीओए की वार्षिक सामान्य सभा की बैठक में 29 पदाधिकारियों के नाम घोषित किये गये। इस बैठक में सबसे पहले पिछले एजेंडे पर चर्चा-विमर्श किया गया और इसके बाद सदन की राय के बाद और नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए पदाधिकारियों के नामों की घोष्णा की गयी। इसमें वर्तमान अध्यक्ष रमेश मेंदोला, सचिव दिग्विजय सिंह सहित 29 सदस्यीय शीर्ष पदाधिकारियों के नामों पर एक आम राय बनी। वही नई कार्यकारिणी में कोई अन्य बदलाव नहीं हुआ है। एमपीओए की इसव बैठक में एजीएम में अगले चार साल के लिए शीर्ष पदों के लिए निर्विरोध रूप से पदाधिकारियों के नामों पर मुहर लगी है। इसमें करीब 33 मध्य प्रदेश राज्य खेल संघों और 14 जिला ओलंपिक संघ के 80 से अधिक पदाधिकारी उपस्थित हुए। अब अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष समेत 29 पदाधिकारी एमपीओए का कामकाज संभालेंगे।

भारत को सीरीज में वापसी के लिए तुरंत जवाबी हमला करना होगा: रवि शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे महत्वपूर्ण टेस्ट से पहले टीम इंडिया के लिए संदेश साझा करते हुए कहा कि शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को पांच मैचों की सीरीज में वापसी के लिए तुरंत जवाबी हमला करना होगा। भारत को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि उसने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा था और अब एजबेस्टन में होने वाले मैच से पहले उसे जल्दी से जल्दी एकजुट होने की जरूरत है, क्योंकि इस मैच में जीत से यह तय हो सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कौन जीतेगा।

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू से कहा, 'भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह तुरंत जवाबी हमला करे। जब आप इस तरह का टेस्ट मैच हारते हैं, जिसमें आप ज्यादातर समय हावी रहते हैं और फिर आखिरी दिन बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए हार जाते हैं और इंग्लैंड को अपना संयम बनाए रखने के लिए पूरे अंक मिलते हैं, तो सीरीज में वापसी करने के लिए आपको काफी जज्बे की जरूरत होती है।' अभी भी सवाल बना हुआ है कि क्या तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत दूसरे टेस्ट के लिए मौका देगा, क्योंकि उनके कार्यभार को मैनेज किया जा रहा है। शास्त्री ने कहा, 'अब, बुमराह खेलेंगे या नहीं, यह तो कोई नहीं जानता। लेकिन उम्मीद करते हैं कि वह खेलेंगे, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण टेस्ट मैच है और सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। बस आपको एक बार में एक मैच पर ध्यान देना है। यह पांच मैचों की सीरीज है और भारत वापसी की उम्मीद कर रहा होगा।'

शास्त्री का मानना है कि नवनियुक्त कप्तान गिल ने सीरीज के पहले मैच में भारत की हार से बहुत कुछ सीखा होगा और उम्मीद है कि युवा कप्तान सीरीज के बाकी मैचों में अधिक सक्रिय रहेंगे। शास्त्री ने कहा, 'लोग कहते हैं कि वह थोड़ा प्रतिक्रियाशील था और ऐसा तब हो सकता है जब आप अपना पहला टेस्ट मैच (कप्तान के तौर पर) खेल रहे हों और खास तौर पर जब बल्लेबाजी के लिए अच्छी परिस्थितियां हों और आउटफील्ड तेज हो तो चीजें इस तरह से हो सकती हैं। लेकिन उसने इससे बहुत कुछ सीखा होगा और अब जब मौका आएगा तो वह थोड़ा और सक्रिय होना चाहेगा, जिसका मतलब है कि गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों को उसे वह समर्थन देना होगा। उन्हें पता होना चाहिए कि उनकी भूमिका क्या है और उन्हें मैदान पर उतरकर उसे अंजाम देना चाहिए।'

नानी ने शुरू की द पैराडाइज की शूटिंग

साउथ स्टार नानी की आगामी फिल्म 'द पैराडाइज' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं और फिल्म से जुड़ी हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है।

नानी ने शुरू की शूटिंग

नानी की मच अवेटेड फिल्म 'द पैराडाइज' के फैंस के लिए खुशखबरी है। इस फिल्म की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है। 21 जून से शुरू हुई फिल्म की शूटिंग में अब आज नानी भी शामिल हो गए हैं। आज नानी का शूटिंग पर पहला दिन था। बीते एक हफ्ते में टीम ने फिल्म की कहानी में बचपन के किरदारों से जुड़े हिस्से की शूटिंग की है। 'द पैराडाइज' नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की दूसरी फिल्म है। हैदराबाद में 40 दिन का शेड्यूल जारी है, जिसमें लीड कास्ट के साथ कुछ अहम सीन शूट किए जा रहे हैं।

मेकर्स ने शेयर की पोस्ट

मेकर्स की ओर से फिल्म से जुड़ी एक तस्वीर शेयर की गई है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा गया है 'धगड़ आ गया है।' इस तस्वीर में किसी का चेहरा नहीं दिख रहा है। सिर्फ एक पैर दिख रहा है। जिसमें पैंट और काले जूते नजर आ रहे हैं। जूतों में एक ब्रेसलेट जैसा कुछ पड़ा हुआ है। सामने एक शहर और कुछ झुग्गी झोपड़ियां नजर आ रही हैं। 26 मार्च 2026 को रिलीज होगी फिल्म 'द पैराडाइज' 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म को हिंदी समेत कुल आठ भाषाओं तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, इंग्लिश और स्पेनिश में रिलीज किया जाएगा।

'हिट 3' में नजर आए थे नानी

एक्टर नानी की बात करें तो वो इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हिट 3' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ श्रीनिधि शेट्टी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसे दर्शकों व क्रिटिक्स दोनों ने सराहा था।

बिहार में फिल्म शूट करना चाहती हैं मल्लिका शेरावत

एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत शुक्रवार को पहली बार बिहार की राजधानी पटना पहुंचीं, जहां उन्होंने कहा कि वह रवि किशन की फैन हैं और मौका मिलने पर बिहार में फिल्म बनाएंगी। मल्लिका शेरावत ने बताया, मैं पहली बार बिहार आई हूं और यहां पर मुझे हर जगह एक्सप्लोर करना है। राज्य में हुए विकास को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, बिहार काफी डेवलप हो चुका है। मैं एयरपोर्ट देखकर बहुत ही खुश और हैरान हूं कि इतना अच्छा एयरपोर्ट बना है। सड़कें और यहां के विकास को देखकर खुश हूं। कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकीं मल्लिका ने बताया कि वह अभिनेता रवि किशन की प्रशंसक हैं और उनके साथ काम भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, मुझे बिहार और यहां के कलाकार काफी पसंद हैं। मैं रवि किशन की फैन हूं और मौका मिला तो जरूर फिल्म बनाना चाहूंगी। मल्लिका हरियाणा के रोहतक से हैं। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि वह आईएएस ऑफिसर बनें, लेकिन उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। मल्लिका शेरावत कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जिनमें मर्डर, ख्वाहिशें, बचकर रहना रे बाबा, डर्टी पॉलिटिक्स, वेलकम, प्यार के साइड इफेक्ट्स, डबल धमाल, जीनत जैसी फिल्में शामिल हैं। वह कई हॉलीवुड फिल्म द मिथ, पॉलिटिक्स ऑफ लव और टाइम रेडर्स में भी काम कर चुकी हैं। हाल ही में मल्लिका शेरावत, राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आई थीं। इस फिल्म के जरिए मल्लिका ने लंबे समय के बाद कमबैक किया था।

डेब्यू के समय ऋतिक से तुलना पर अभिषेक बच्चन बोले

अभिषेक बच्चन और ऋतिक रोशन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत एक साथ ही साल 2000 में की थी। ऋतिक की फिल्म कहो ना प्यार है ब्लॉकबस्टर हुई, वहीं अभिषेक और करीना की फिल्म रिफ्यूजी फ्लॉप हो गई। अब इंटरव्यू में अभिषेक ने ऋतिक संग तुलना पर बात की। बातचीत में अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि क्या ऋतिक रोशन के साथ एक ही समय पर डेब्यू करने पर उन्हें कभी उनसे जलन महसूस हुई। इसके जवाब में अभिषेक ने कहा, हां हमारी तुलना होती थी। लेकिन एक नए कलाकार के तौर पर मुझे कभी भी जलन महसूस नहीं हुई। मैंने कभी इसे उस नजरिए से नहीं देखा, क्योंकि मैंने कभी किसी को अपना मुकाबला नहीं समझा। और मैं ये घमंड से नहीं कह रहा, बल्कि इस सोच से कह रहा हूं कि मैं जो करता हूं, वो कोई और नहीं कर सकता और जो आप करते हैं, वो मैं नहीं कर सकता, क्योंकि मैं जैसा हूं, वैसा कोई और नहीं हो सकता। कलाकारों की तुलना करना मुझे ठीक नहीं लगता, क्योंकि यह कला के खिलाफ है। अब किसे पसंद करना है, वो आपकी अपनी पसंद है। अभिषेक ने आगे कहा, मैं इसका एक उदाहरण कला से देता हूं। मेरे दो पसंदीदा पेंटर सुभाष आवचट और परेश मैती हैं। मैं दोनों को बहुत पसंद करता हूं, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि इनमें से कौन बेहतर है, क्योंकि कला सबके अपने नजरिए की बात होती है। किसी को एक कलाकार ज्यादा पसंद आ सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि वह दूसरे से बेहतर है। ऐसा कहना उनके अलग-अलग काम और शैली का अनादर होगा। अभिषेक का मानना है कि यही बात एक्टर्स पर भी लागू होती है। ऋतिक रोशन के साथ अमीषा पटेल ने भी डेब्यू किया था। अभिषेक ने ऋतिक की तारीफ करते हुए कहा, 'ऋतिक एक शानदार एक्टर हैं और मेरे अच्छे दोस्त भी। मैं सच में बहुत खुश हूं कि उन्होंने अब तक जितना कुछ हासिल किया है और जो आगे भी कर रहे हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है। लेकिन उससे भी ज्यादा, मैं उन्हें इंसान के तौर पर पसंद करता हूं।'

हुमा ने दो दिन में शूट किया 'मालिक' का गाना, एक पैसा भी नहीं लिया

राजकुमार राव की बहुप्रतीक्षित फिल्म मालिक में हुमा कुरैशी दिल थाम के गाने में नजर आई हैं। यह गाना अभी कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुआ था, जिसमें एक्ट्रेस के डांस मूव्स और लुक्स को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया। अब हुमा कुरैशी ने इस सॉन्ग को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहा।

गाने के लिए नहीं ली एक भी फीस

हुमा कुरैशी हाल ही में एक इंटरव्यू में शामिल हुईं, जहां उन्होंने बताया कि दिल थाम के सॉन्ग को जब डायरेक्टर ने सुनाया तो उन्हें पंसद आ गया। इसके बाद उन्होंने कहा कि फिल्म में शूटिंग करना दोस्तों के साथ काम करने जैसा लगा, इसलिए उन्होंने गाने के लिए हां कह दिया। आगे एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने इस गाने के लिए एक भी पैसा नहीं लिया। हुमा ने कहा, 'दोस्तों से कैसे पैसे ले सकते हैं? यह सिर्फ दो दिनों की शूटिंग थी, इसलिए मुझे लगा कि पैसे लेना वास्तव में जरूरी नहीं है।'

16 घंटे करने पड़ा काम

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'मैं यह कहकर चले जाने में विश्वास नहीं करती कि मेरी शिफ्ट खत्म हो गई है। मेरी कंडीशनिंग ऐसी है कि अगर मैं काम पर हूं, तो मैं अपना काम खत्म करूंगी और फिर चली जाऊंगी। तो हां, एक दिन यह 16 घंटे तक चला, लेकिन इसकी योजना नहीं थी।'

हुमा कुरैशी का वर्कफ्रंट

फिल्म 'मालिक' के आइटम सॉन्ग के अलावा हुमा कुरैशी कई और प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी। वह फिल्म 'जॉली एलएलबी 3', 'टॉक्सिक', 'पूजा मेरी जान' और 'गुलाबी' जैसी फिल्मों का हिस्सा हैं। कुछ फिल्में इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होंगी। इसके साथ ही आपको बताते चलें कि वह महारानी 4 में नजर आने वाली हैं।

रवि किशन ने बताया कौन है उनका पसंदीदा अभिनेता

अभिनेता रवि किशन इंडस्ट्री का एक जाना-पहचाना नाम हैं। रवि किशन की गिनती अब इंडस्ट्री के सीनियर एक्टर्स में होती है। उनके डायलॉग और उनकी स्टाइल लोगों को काफी पसंद आती है। लेकिन रवि किशन का पसंदीदा अभिनेता कौन है? इसको लेकर उन्होंने जवाब दिया। रवि किशन ने बताया कि उनके जीवन में कई अभिनेताओं ने अपना अलग-अलग प्रभाव छोड़ा है। एक्टर ने कहा कि मुझे बलराज साहनी ने काफी प्रभावित किया है। उनका अभिनय कमाल का है। इसके अलावा रवि किशन ने दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, नसीरुद्दीन शाह, शाहरुख खान और इरफान खान जैसे अभिनेताओं का भी जिक्र किया। एक्टर ने कहा कि ये अभिनेता भी मुझे काफी पसंद हैं। इन सभी कलाकारों से कुछ न कुछ सीखने को मिला है। रवि किशन का कहना है कि हर किरदार से कुछ न कुछ सीखने को मिलता रहता है।

दिलजीत दोसांझ के सपोर्ट में उतरे इम्तियाज अली

फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर दिलजीत दोसांझ विवादों में हैं। फिल्म संगठन लगातार उन्हें बॉर्डर 2 से हटाने की मांग कर रहे हैं। इस पूरे विवाद के बीच अब फिल्ममेकर इम्तियाज अली दिलजीत के समर्थन में सामने आए हैं। उन्होंने कहा दिलजीत में देशभक्ति का जज्बा पूरी तरह से भरा हुआ है। बातचीत में इम्तियाज अली ने कहा, 'मैं इस विवाद पर ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। लेकिन क्योंकि मैं दिलजीत को जानता हूं और मैं यकीन से कह सकता हूं कि उसमें देशभक्ति का जज्बा पूरी तरह से भरा हुआ है। वह जमीन से जुड़ा हुआ इंसान है। आप उसके हर कॉन्सर्ट में देख सकते हैं। वह हमेशा भारतीय झंडे के साथ मंच पर आता है।' इम्तियाज ने आगे कहा कि दिलजीत एक सच्चे इंसान हैं और किसी भी तरह की दिखावेबाजी या बनावटीपन से दूर रहते हैं। वे कोई भी काम किसी के कहने पर नहीं, बल्कि अपने दिल की आवाज़ सुनकर करते हैं। हर कॉन्सर्ट के अंत में वे गर्व से अपने पंजाबी होने का जिक्र करते हैं और भारतीय झंडा थामे देश के प्रति अपने सच्चे प्रेम को व्यक्त करते हैं। 'सरदार जी 3' में हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर उठे विवाद पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि कलाकार खुद कास्टिंग के फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं होते। उन्होंने कहा कि जो लोग दिलजीत की सच्चाई को समझते हैं, वे उनकी असली देशभक्ति को जरूर महसूस करेंगे।

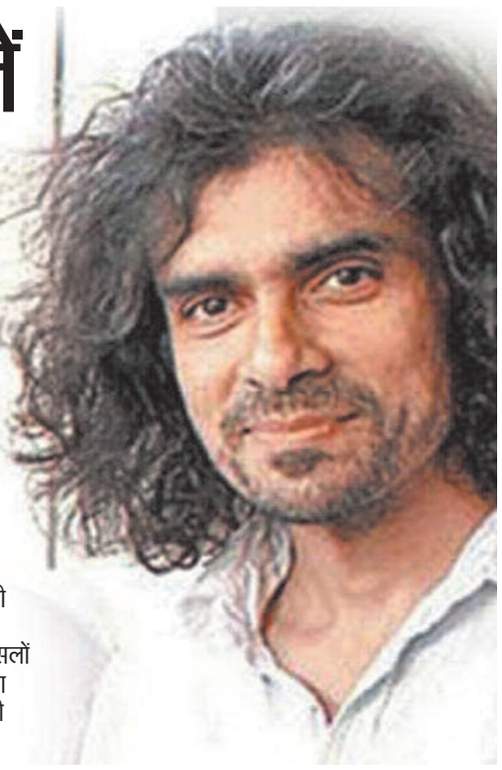

कृष्णा श्रॉफ से लेकर करण कुंद्रा तक, रियलिटी टीवी आइकॉन जिनकी वापसी की उम्मीद

कृष्णा श्रॉफ, निया शर्मा, रित्विक धनजानी और भी कई सितारे जिन्होंने रियलिटी टीवी पर छोड़ी गहरी छाप, और वे वापसी के बिल्कुल हकदार हैं। कभी फियरलेस तो कभी फैन-फेवरेट- कृष्णा श्रॉफ, तेजस्वी प्रकाश, एली गोनी, ऋत्विक धनजानी, करण कुंद्रा और निया शर्मा ने रियलिटी टीवी पर राज किया और अब उनकी वापसी बनती है।

रियलिटी टीवी ने हमें कुछ ऐसे चेहरे दिए हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। इन सितारों ने हर एपिसोड में जोश, जज़्बा, जीतने की चाह और जबरदस्त एनर्जी भरी जो अब तक दर्शकों के दिलों में बसी है। चाहे कृष्णा श्रॉफ हो या निया शर्मा, तेजस्वी प्रकाश, करण कुंद्रा, अली गोनी या फिर ऋत्विक धनजानी — जब भी ये सितारे किसी रियलिटी शो का हिस्सा बने, मीडिया और दर्शक दोनों ही उनके स्टाइल, स्ट्रैटेजी और स्क्रीन प्रेजेंस के दीवाने हो गए। और बार-बार, नेटिज़ेंस चाहते हैं कि ये नाम नए रियलिटी शो के स्क्रीन पर वापस आएं और अधिक रियलिटी कंटेंट में भाग लें।

कृष्णा श्रॉफ: उन्होंने खतरों के खिलाड़ी में अपने निडर एटीट्यूड और फिटनेस फर्स्ट पर्सनैलिटी से ज़बरदस्त और प्रभावशाली छाप छोड़ी। और प्रशंसक अब स्क्रीन पर उनकी वही डैयरिंग और एनर्जेटिक मौजूदगी देखना चाहते हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि चाहे वो एक धमाकेदार एंट्री हो या वाइल्ड कार्ड के ज़रिए वापसी करें।

निया शर्मा: बोल्ड, बेबाक और हमेशा देखने लायक निया शर्मा ने खतरों के खिलाड़ी और झलक दिखला जा जैसे शोज़ में खुद का एक अलग मुकाम बनाया। उनका नो-फिल्टर एप्रोच आज भी फैंस को आकर्षित करता है, और उनकी वापसी की मांग लगातार बढ़ रही है।

तेजस्वी प्रकाश: उनकी दिल जीत लेने वाली और रिलेटेबल पर्सनैलिटी ने खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस में उन्हें एक ब्रेकआउट स्टार बना दिया। फैंस ने तुरंत उनके नैचुरल चार्म से कनेक्ट कर लिया। तेजस्वी की रियलिटी टीवी पर वापसी कुछ ऐसी है जिसके लिए उनके बड़े प्रशंसक ऑनलाइन अभियान चला रहे हैं, खासकर बिग बॉस की ट्रॉफी जीतने के बाद।

करण कुंद्रा: शांत लेकिन प्रभावशाली करण कुंद्रा ने बिग बॉस में अपनी पंजाबी एनर्जी और संतुलित व्यक्तित्व से दर्शकों का दिल जीत लिया। फैंस को अब उनकी एक सोलो वापसी, या यहां तक कि एक नए अवतार में, कुछ ऐसा है जिसे प्रशंसक उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि केके ने अभी तक अपनी पूरी रियलिटी टीवी क्षमता नहीं दिखाई है।

एली गोनी: उनकी भावनात्मक रूप से खुले और मज़ाकिया अंदाज़ के साथ अली गोनी बिग बॉस में छा गए थे। चाहे राहुल वैद्य और जैस्मिन भसीन के साथ उनकी बॉन्डिंग हो या उनकी ईमानदारी फैंस आज भी उनके उन पलों को याद करते हैं। उनकी वापसी की मांग आज भी उतनी ही ताज़ा है।

ऋत्विक धनजानी: बेजोड़ करिश्मा और बहुमुखी प्रतिभा के साथ ऋत्विक ने झलक दिखला जा से लेकर खतरों के खिलाड़ी तक हर फॉर्मेट में जान डाल दी। उनके चार्म, गुड लुक्स और चुटीले अंदाज़ को लेकर फैंस हमेशा उत्साहित रहे हैं। हर शो में उन्होंने 100% दिया है, और दर्शकों की राय में उनके बिना रियलिटी शो अधूरा लगता है।

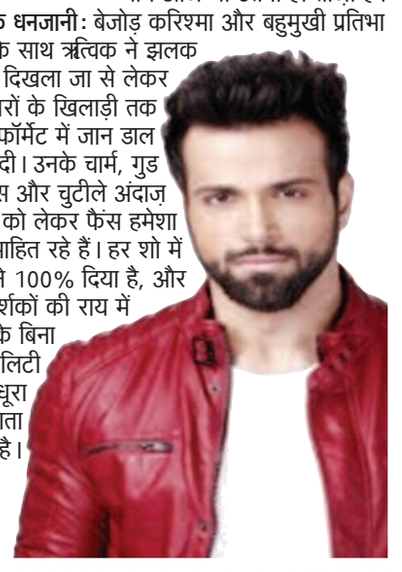

स्वामी मुद्रक,प्रकाशक पीतम सिंह द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस,डी-85 सेक्टर-6 नोएडा गौतमबुद्धनगर से मुद्रित करवाकर मकान नं.-57 सोरखा, जाहिदाबाद सेक्टर-115 नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **RNI.NO.UPHIN/2010/31600** इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा। **संपादक (प्रमोद यादव) मो.9999164275, E-editorsaimedia@gmail.com**